SAMPLE

Lal-Kitab Sagar

MindSutra Software Technologies
A-16, Ramdutt Enclave, Milap Nagar,
Uttam Nagar, New Delhi-110059

ज्योतिष सारिणी

मुख्य विवरण

जन्म दिनाकं	18:12:1973(मंगलवार)
जन्म समय	01:45:00
जन्म स्थान	new delhi
अक्षांश	028:36:00N
रेखांश	077:12:00E
यु./ग्रीष्म समय संस्कार	-00:00
जी. एम. टी. समय	020:15:00
स्थानीय समय	001:23:48 hrs
सांपातिक काल	007:09:02 hrs
स्थानीय समय संस्कार	-000:21:11
अयनांश	N.C.Lahiri(023:29:36)
सूर्योदय	07:11:19AM
सूर्यास्त	05:24:35PM
विक्रम संवत	2030
शक संवत	1895
संवत्सर	प्रमादी
संवत्सर अधिपति	इन्द्राग्नि

घात चक्र

राशि (सूर्य)	कुम्भ
मास	फाल्गुन
तिथि	5,10,15
वार	शुक्रवार
नक्षत्र	अश्लेषा
प्रहर	4
लग्न	सिहं
सूर्य सिद्धान्त योग	वज्र
करण	चतुश्पद

अवकहड़ा चक्र

लग्न	कन्या
लग्नाधिपति	बुध
राशि (चन्द्रमा)	कन्या
राशिपति	बुध
नक्षत्र	हस्ता
नक्षत्रपति	चन्द्रमा
नक्षत्र चरण	2
ऋतु	बसन्त
मास	चैत्र
पक्ष	कृष्ण
तिथि	नवमी
तिथि श्रेणी	रिक्ता
तिथि पति	सूर्य
करण	गरिज
करण श्रेणी	चर
करणपति	वासुदेव
गण	देव
योनि	हस्त (स्त्री)
वर्ण	वैश्य
सूर्य सिद्धान्त योग	सौभाग्य
रज्जु	कंठ
वश्य	द्विपद
तत्व	अग्नि
विहग	वायस
तत्वाधिपति	मंगल
नाड़ी	आदि
नाड़ी पद	मध्य
वेध	शतभिषा
आद्याक्षर	Shaa
पाया	स्वर्ण

ग्रहों की स्थिति (लाल किताब)

लग्न कुण्डली

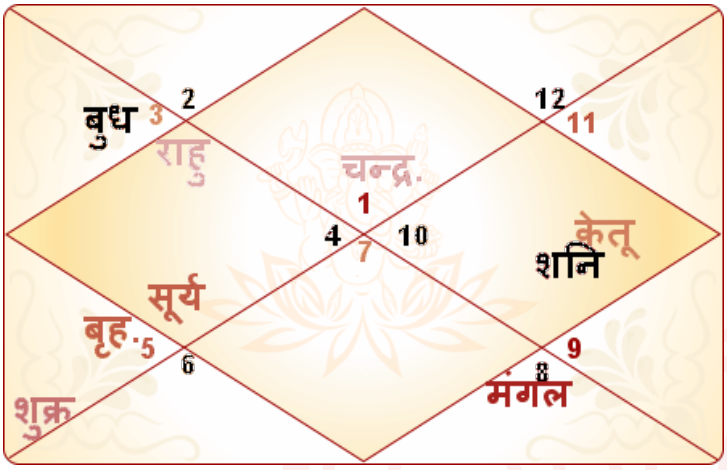

चन्द्र कुण्डली

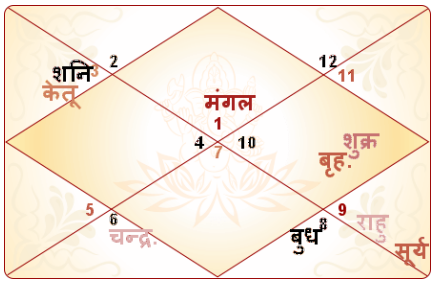

संशोधित कुण्डली

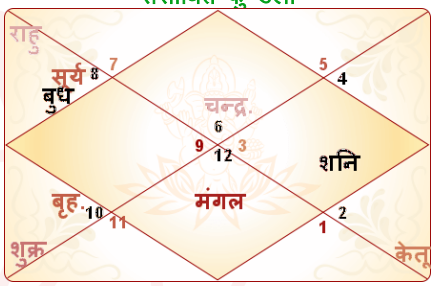

लाल किताब कुण्डली में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	4	5	ग्रह			चन्द्रमा				शुभ भाव
चन्द्रमा	1	4	ग्रह			सूर्य	हाँ		हाँ	शुभ भाव
मंगल	8	1, 8	ग्रह	हाँ						अशुभ भाव
बुध	3	3, 6	ग्रह		हाँ				हाँ	अशुभ भाव
बृहस्पति	5	9, 12	ग्रह	हाँ						शुभ भाव
शुक्र	5	2, 7	राशि				हाँ		हाँ	...
शनि	10	10, 11	ग्रह	हाँ	हाँ					शुभ भाव
राहु	4		राशि					हाँ		शुभ भाव
केतु	10		राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव

लाल किताब कुण्डली से भाव स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1	चन्द्रमा	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2		शुक	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	बुध	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4	सूर्य, राहु	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5	बृहस्पति, शुक	सूर्य	बृहस्पति				सूर्य
6		बुध	बुध,केतु	हाँ	बुध,राहु	शुक,केतु	केतु
7		शुक	शुक,बुध		शनि		शुक
8	मंगल	मंगल	मंगल,शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10	शनि, केतु	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11		शनि	शनि				बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक,केतु	बुध,राहु	राहु

षोडश वर्ग कुण्डली

होरा कुण्डली

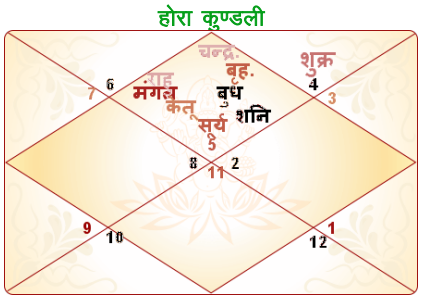

धन दौलत के लिए

द्रेष्काण कुण्डली

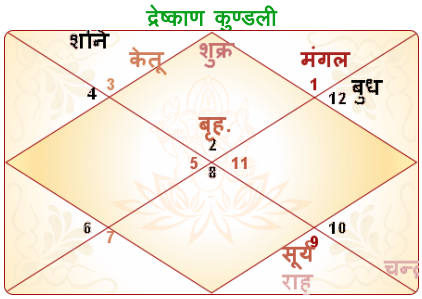

सहोदरों का जीवन और स्वास्थ्य

चतुर्थांश कुण्डली

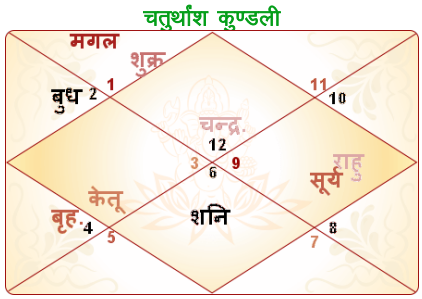

भाग्य और रिहायशी मकान

सप्तमांश कुण्डली

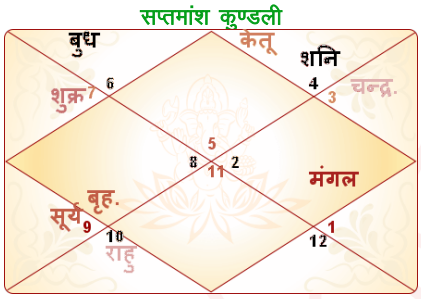

संतान और उनकी संतान

नवांश कुण्डली

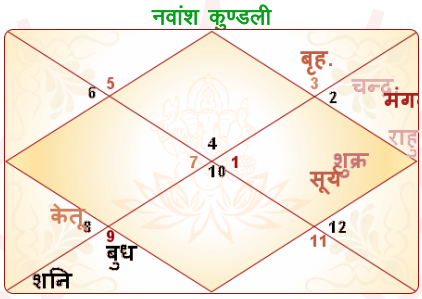

जीवनसाथी और उनका स्वास्थ्य

दसमांश कुण्डली

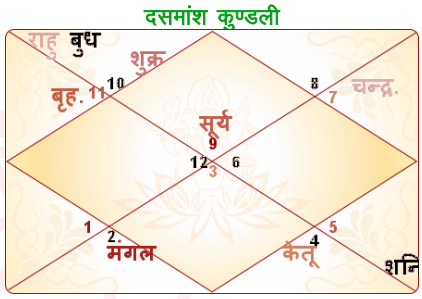

कारोबार और किसी भी कार्य में सफलता

द्वादशांश कुण्डली

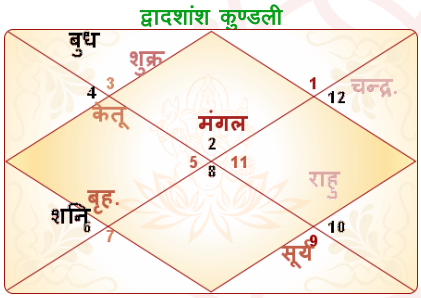

माता पिता का जीवन और उनका स्वास्थ्य

षोडशांश कुण्डली

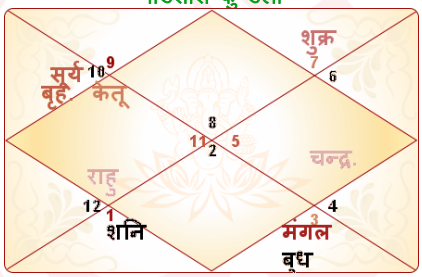

वाहन से संबंधित बातें

विशांश कुण्डली

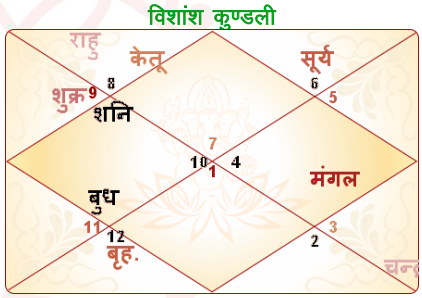

आध्यात्मिक रूझान

चर्तुविशांश कुण्डली

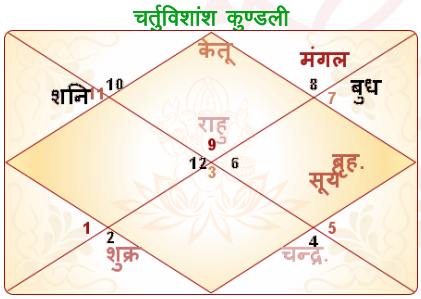

शिक्षा, ज्ञान और समझ

सप्तविशांश कुण्डली

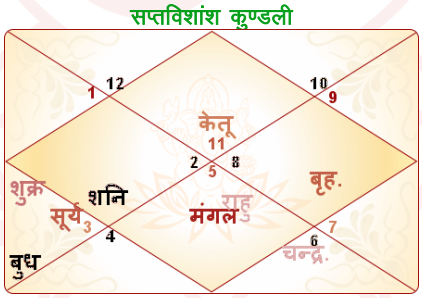

ताकत और दुर्बलता

त्रिशांश कुण्डली

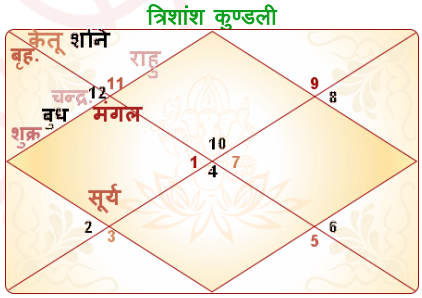

दरिद्रता, कठिनाईयाँ और दुर्गति

खवेदांश कुण्डली

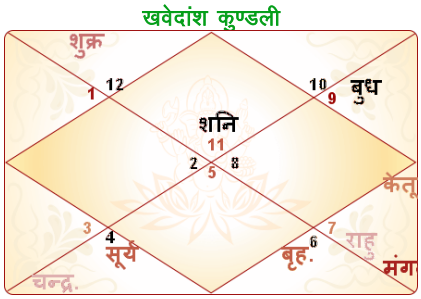

शुभ अशुभ घटनाँए

अक्षवेदांश कुण्डली

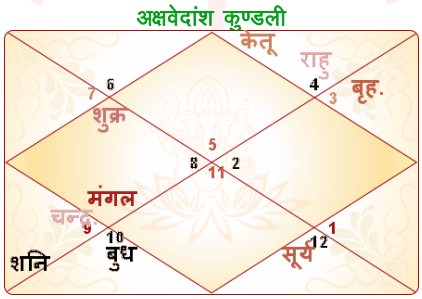

सभी मुद्दों के लिए

षष्टांश कुण्डली

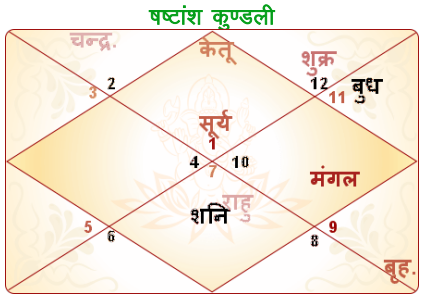

सभी मुद्दों के लिए

विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी भोग्य दशा (अयनाश : 023:29:36) चन्द्रमा 5.0 व.5.0 म.26 द.

क्र0 स0	ग्रह दशा	अवधि	से
1	चन्द्रमा	5.0 y.5.0 m.26 d.	18:12:1973
2	मंगल	7.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:1979
3	राहु	18.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:1986
4	बृहस्पति	16.0 y.0.0 m.0 d.	13:06:2004
5	शनि	19.0 y.0.0 m.0 d.	13:06:2020
6	बुध	17.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:2039
7	केतु	7.0 y.0.0 m.0 d.	13:06:2056
8	शुक्र	20.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:2063
9	सूर्य	6.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:2083

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	
मंगल	
राहु	
बृहस्पति	
शनि	18:12:1973
बुध	14:04:1975
केतु	13:09:1976
शुक्र	14:04:1977
सूर्य	13:12:1978

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से
मंगल	14:06:1979
राहु	10:11:1979
बृहस्पति	28:11:1980
शनि	04:11:1981
बुध	13:12:1982
केतु	10:12:1983
शुक्र	08:05:1984
सूर्य	08:07:1985
चन्द्रमा	13:11:1985

राहु दशा

अन्तर्दशा	से
राहु	14:06:1986
बृहस्पति	24:02:1989
शनि	20:07:1991
बुध	26:05:1994
केतु	13:12:1996
शुक्र	31:12:1997
सूर्य	31:12:2000
चन्द्रमा	25:11:2001
मंगल	26:05:2003

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	13:06:2004
शनि	01:08:2006
बुध	12:02:2009
केतु	20:05:2011
शुक्र	25:04:2012
सूर्य	25:12:2014
चन्द्रमा	13:10:2015
मंगल	12:02:2017
राहु	19:01:2018

शनि दशा

अन्तर्दशा	से
शनि	13:06:2020
बुध	17:06:2023
केतु	24:02:2026
शुक्र	05:04:2027
सूर्य	05:06:2030
चन्द्रमा	17:05:2031
मंगल	16:12:2032
राहु	25:01:2034
बृहस्पति	01:12:2036

बुध दशा

अन्तर्दशा	से
बुध	14:06:2039
केतु	10:11:2041
शुक्र	07:11:2042
सूर्य	07:09:2045
चन्द्रमा	14:07:2046
मंगल	13:12:2047
राहु	10:12:2048
बृहस्पति	29:06:2051
शनि	04:10:2053

केतु दशा

अन्तर्दशा	से
केतु	13:06:2056
शुक्र	10:11:2056
सूर्य	10:01:2058
चन्द्रमा	17:05:2058
मंगल	16:12:2058
राहु	14:05:2059
बृहस्पति	01:06:2060
शनि	08:05:2061
बुध	17:06:2062

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से
शुक्र	14:06:2063
सूर्य	13:10:2066
चन्द्रमा	13:10:2067
मंगल	14:06:2069
राहु	14:08:2070
बृहस्पति	14:08:2073
शनि	13:04:2076
बुध	14:06:2079
केतु	14:04:2082

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से
सूर्य	14:06:2083
चन्द्रमा	01:10:2083
मंगल	01:04:2084
राहु	07:08:2084
बृहस्पति	02:07:2085
शनि	20:04:2086
बुध	02:04:2087
केतु	06:02:2088
शुक्र	13:06:2088

चन्द्रमा ग्रह दशा

(Start Date: 18:12:1973, End Date: 13:06:1979)

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	....
मंगल	....
राहु	....
बृहस्पति	....
शनि	....
बुध	....
केतु	....
शुक्र	....
सूर्य	....

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	....
राहु	....
बृहस्पति	....
शनि	....
बुध	....
केतु	....
शुक्र	....
सूर्य	....
चन्द्रमा	....

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	....
बृहस्पति	....
शनि	....
बुध	....
केतु	....
शुक्र	....
सूर्य	....
चन्द्रमा	....
मंगल	....

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	....
शनि	....
बुध	....
केतु	....
शुक्र	....
सूर्य	....
चन्द्रमा	....
मंगल	....
राहु	....

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	....
बुध	18:12:1973
केतु	05:03:1974
शुक्र	08:04:1974
सूर्य	13:07:1974
चन्द्रमा	11:08:1974
मंगल	28:09:1974
राहु	01:11:1974
बृहस्पति	27:01:1975

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	14:04:1975
केतु	26:06:1975
शुक्र	26:07:1975
सूर्य	20:10:1975
चन्द्रमा	15:11:1975
मंगल	28:12:1975
राहु	28:01:1976
बृहस्पति	14:04:1976
शनि	23:06:1976

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	13:09:1976
शुक्र	25:09:1976
सूर्य	31:10:1976
चन्द्रमा	10:11:1976
मंगल	28:11:1976
राहु	11:12:1976
बृहस्पति	12:01:1977
शनि	09:02:1977
बुध	15:03:1977

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	14:04:1977
सूर्य	24:07:1977
चन्द्रमा	24:08:1977
मंगल	13:10:1977
राहु	18:11:1977
बृहस्पति	17:02:1978
शनि	09:05:1978
बुध	14:08:1978
केतु	08:11:1978

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	13:12:1978
चन्द्रमा	22:12:1978
मंगल	07:01:1979
राहु	17:01:1979
बृहस्पति	14:02:1979
शनि	10:03:1979
बुध	08:04:1979
केतु	04:05:1979
शुक्र	14:05:1979

मंगल ग्रह दशा

(Start Date: 14:06:1979, End Date: 13:06:1986)

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	14:06:1979
राहु	22:06:1979
बृहस्पति	15:07:1979
शनि	04:08:1979
बुध	27:08:1979
केतु	17:09:1979
शुक्र	26:09:1979
सूर्य	21:10:1979
चन्द्रमा	28:10:1979

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	10:11:1979
बृहस्पति	06:01:1980
शनि	26:02:1980
बुध	27:04:1980
केतु	21:06:1980
शुक्र	13:07:1980
सूर्य	15:09:1980
चन्द्रमा	04:10:1980
मंगल	05:11:1980

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	28:11:1980
शनि	12:01:1981
बुध	07:03:1981
केतु	25:04:1981
शुक्र	14:05:1981
सूर्य	10:07:1981
चन्द्रमा	27:07:1981
मंगल	25:08:1981
राहु	14:09:1981

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	04:11:1981
बुध	07:01:1982
केतु	05:03:1982
शुक्र	29:03:1982
सूर्य	04:06:1982
चन्द्रमा	24:06:1982
मंगल	28:07:1982
राहु	21:08:1982
बृहस्पति	20:10:1982

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	13:12:1982
केतु	02:02:1983
शुक्र	24:02:1983
सूर्य	25:04:1983
चन्द्रमा	13:05:1983
मंगल	12:06:1983
राहु	03:07:1983
बृहस्पति	27:08:1983
शनि	14:10:1983

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	10:12:1983
शुक्र	19:12:1983
सूर्य	13:01:1984
चन्द्रमा	20:01:1984
मंगल	02:02:1984
राहु	10:02:1984
बृहस्पति	04:03:1984
शनि	24:03:1984
बुध	16:04:1984

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	08:05:1984
सूर्य	18:07:1984
चन्द्रमा	08:08:1984
मंगल	13:09:1984
राहु	08:10:1984
बृहस्पति	11:12:1984
शनि	05:02:1985
बुध	14:04:1985
केतु	13:06:1985

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	08:07:1985
चन्द्रमा	14:07:1985
मंगल	25:07:1985
राहु	01:08:1985
बृहस्पति	21:08:1985
शनि	07:09:1985
बुध	27:09:1985
केतु	15:10:1985
शुक्र	22:10:1985

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	13:11:1985
मंगल	01:12:1985
राहु	13:12:1985
बृहस्पति	14:01:1986
शनि	11:02:1986
बुध	17:03:1986
केतु	16:04:1986
शुक्र	29:04:1986
सूर्य	03:06:1986

राहु ग्रह दशा

(Start Date: 14:06:1986, End Date: 12:06:2004)

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	14:06:1986
बृहस्पति	09:11:1986
शनि	20:03:1987
बुध	23:08:1987
केतु	10:01:1988
शुक्र	07:03:1988
सूर्य	19:08:1988
चन्द्रमा	07:10:1988
मंगल	29:12:1988

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	24:02:1989
शनि	21:06:1989
बुध	07:11:1989
केतु	11:03:1990
शुक्र	01:05:1990
सूर्य	24:09:1990
चन्द्रमा	07:11:1990
मंगल	19:01:1991
राहु	11:03:1991

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	20:07:1991
बुध	01:01:1992
केतु	28:05:1992
शुक्र	28:07:1992
सूर्य	17:01:1993
चन्द्रमा	10:03:1993
मंगल	05:06:1993
राहु	05:08:1993
बृहस्पति	08:01:1994

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	26:05:1994
केतु	05:10:1994
शुक्र	29:11:1994
सूर्य	03:05:1995
चन्द्रमा	18:06:1995
मंगल	04:09:1995
राहु	28:10:1995
बृहस्पति	16:03:1996
शनि	18:07:1996

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	13:12:1996
शुक्र	05:01:1997
सूर्य	09:03:1997
चन्द्रमा	29:03:1997
मंगल	30:04:1997
राहु	22:05:1997
बृहस्पति	18:07:1997
शनि	07:09:1997
बुध	07:11:1997

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	31:12:1997
सूर्य	02:07:1998
चन्द्रमा	26:08:1998
मंगल	25:11:1998
राहु	28:01:1999
बृहस्पति	11:07:1999
शनि	04:12:1999
बुध	26:05:2000
केतु	28:10:2000

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	31:12:2000
चन्द्रमा	17:01:2001
मंगल	13:02:2001
राहु	04:03:2001
बृहस्पति	23:04:2001
शनि	05:06:2001
बुध	27:07:2001
केतु	12:09:2001
शुक्र	01:10:2001

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	25:11:2001
मंगल	10:01:2002
राहु	10:02:2002
बृहस्पति	04:05:2002
शनि	16:07:2002
बुध	10:10:2002
केतु	27:12:2002
शुक्र	28:01:2003
सूर्य	29:04:2003

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	26:05:2003
राहु	18:06:2003
बृहस्पति	14:08:2003
शनि	04:10:2003
बुध	04:12:2003
केतु	27:01:2004
शुक्र	19:02:2004
सूर्य	23:04:2004
चन्द्रमा	12:05:2004

बृहस्पति ग्रह दशा

(Start Date: 13:06:2004, End Date: 12:06:2020)

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	13:06:2004
शनि	25:09:2004
बुध	27:01:2005
केतु	17:05:2005
शुक्र	02:07:2005
सूर्य	08:11:2005
चन्द्रमा	17:12:2005
मंगल	20:02:2006
राहु	07:04:2006

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	01:08:2006
बुध	26:12:2006
केतु	06:05:2007
शुक्र	29:06:2007
सूर्य	30:11:2007
चन्द्रमा	15:01:2008
मंगल	01:04:2008
राहु	25:05:2008
बृहस्पति	12:10:2008

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	12:02:2009
केतु	09:06:2009
शुक्र	27:07:2009
सूर्य	12:12:2009
चन्द्रमा	23:01:2010
मंगल	02:04:2010
राहु	20:05:2010
बृहस्पति	21:09:2010
शनि	09:01:2011

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	20:05:2011
शुक्र	09:06:2011
सूर्य	05:08:2011
चन्द्रमा	22:08:2011
मंगल	19:09:2011
राहु	09:10:2011
बृहस्पति	29:11:2011
शनि	14:01:2012
बुध	08:03:2012

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	25:04:2012
सूर्य	05:10:2012
चन्द्रमा	23:11:2012
मंगल	12:02:2013
राहु	10:04:2013
बृहस्पति	03:09:2013
शनि	11:01:2014
बुध	14:06:2014
केतु	30:10:2014

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	25:12:2014
चन्द्रमा	09:01:2015
मंगल	02:02:2015
राहु	19:02:2015
बृहस्पति	04:04:2015
शनि	13:05:2015
बुध	28:06:2015
केतु	09:08:2015
शुक्र	26:08:2015

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	13:10:2015
मंगल	23:11:2015
राहु	21:12:2015
बृहस्पति	03:03:2016
शनि	08:05:2016
बुध	24:07:2016
केतु	01:10:2016
शुक्र	29:10:2016
सूर्य	19:01:2017

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	12:02:2017
राहु	04:03:2017
बृहस्पति	24:04:2017
शनि	08:06:2017
बुध	01:08:2017
केतु	19:09:2017
शुक्र	08:10:2017
सूर्य	04:12:2017
चन्द्रमा	21:12:2017

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	19:01:2018
बृहस्पति	30:05:2018
शनि	24:09:2018
बुध	10:02:2019
केतु	14:06:2019
शुक्र	04:08:2019
सूर्य	28:12:2019
चन्द्रमा	10:02:2020
मंगल	23:04:2020

शनि ग्रह दशा

(Start Date: 13:06:2020, End Date: 13:06:2039)

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	13:06:2020
बुध	04:12:2020
केतु	09:05:2021
शुक्र	12:07:2021
सूर्य	11:01:2022
चन्द्रमा	07:03:2022
मंगल	07:06:2022
राहु	10:08:2022
बृहस्पति	21:01:2023

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	17:06:2023
केतु	03:11:2023
शुक्र	30:12:2023
सूर्य	11:06:2024
चन्द्रमा	31:07:2024
मंगल	21:10:2024
राहु	17:12:2024
बृहस्पति	14:05:2025
शनि	22:09:2025

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	24:02:2026
शुक्र	20:03:2026
सूर्य	26:05:2026
चन्द्रमा	15:06:2026
मंगल	19:07:2026
राहु	12:08:2026
बृहस्पति	11:10:2026
शनि	04:12:2026
बुध	06:02:2027

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	05:04:2027
सूर्य	14:10:2027
चन्द्रमा	11:12:2027
मंगल	17:03:2028
राहु	23:05:2028
बृहस्पति	13:11:2028
शनि	16:04:2029
बुध	16:10:2029
केतु	29:03:2030

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	05:06:2030
चन्द्रमा	22:06:2030
मंगल	21:07:2030
राहु	10:08:2030
बृहस्पति	01:10:2030
शनि	16:11:2030
बुध	10:01:2031
केतु	28:02:2031
शुक्र	21:03:2031

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	17:05:2031
मंगल	04:07:2031
राहु	07:08:2031
बृहस्पति	02:11:2031
शनि	18:01:2032
बुध	19:04:2032
केतु	10:07:2032
शुक्र	13:08:2032
सूर्य	17:11:2032

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	16:12:2032
राहु	09:01:2033
बृहस्पति	10:03:2033
शनि	03:05:2033
बुध	06:07:2033
केतु	02:09:2033
शुक्र	25:09:2033
सूर्य	02:12:2033
चन्द्रमा	22:12:2033

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	25:01:2034
बृहस्पति	30:06:2034
शनि	15:11:2034
बुध	29:04:2035
केतु	24:09:2035
शुक्र	23:11:2035
सूर्य	15:05:2036
चन्द्रमा	06:07:2036
मंगल	01:10:2036

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	01:12:2036
शनि	03:04:2037
बुध	28:08:2037
केतु	06:01:2038
शुक्र	01:03:2038
सूर्य	02:08:2038
चन्द्रमा	17:09:2038
मंगल	03:12:2038
राहु	26:01:2039

बुध ग्रह दशा

(Start Date: 14:06:2039, End Date: 12:06:2056)

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	14:06:2039
केतु	16:10:2039
शुक्र	06:12:2039
सूर्य	01:05:2040
चन्द्रमा	14:06:2040
मंगल	27:08:2040
राहु	17:10:2040
बृहस्पति	26:02:2041
शनि	24:06:2041

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	10:11:2041
शुक्र	01:12:2041
सूर्य	30:01:2042
चन्द्रमा	17:02:2042
मंगल	19:03:2042
राहु	10:04:2042
बृहस्पति	03:06:2042
शनि	21:07:2042
बुध	16:09:2042

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	07:11:2042
सूर्य	28:04:2043
चन्द्रमा	19:06:2043
मंगल	13:09:2043
राहु	12:11:2043
बृहस्पति	16:04:2044
शनि	01:09:2044
बुध	12:02:2045
केतु	09:07:2045

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	07:09:2045
चन्द्रमा	22:09:2045
मंगल	18:10:2045
राहु	05:11:2045
बृहस्पति	22:12:2045
शनि	01:02:2046
बुध	22:03:2046
केतु	05:05:2046
शुक्र	23:05:2046

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	14:07:2046
मंगल	26:08:2046
राहु	25:09:2046
बृहस्पति	12:12:2046
शनि	19:02:2047
बुध	12:05:2047
केतु	24:07:2047
शुक्र	23:08:2047
सूर्य	17:11:2047

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	13:12:2047
राहु	03:01:2048
बृहस्पति	27:02:2048
शनि	15:04:2048
बुध	12:06:2048
केतु	02:08:2048
शुक्र	23:08:2048
सूर्य	23:10:2048
चन्द्रमा	10:11:2048

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	10:12:2048
बृहस्पति	29:04:2049
शनि	31:08:2049
बुध	25:01:2050
केतु	06:06:2050
शुक्र	30:07:2050
सूर्य	01:01:2051
चन्द्रमा	17:02:2051
मंगल	06:05:2051

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	29:06:2051
शनि	17:10:2051
बुध	25:02:2052
केतु	22:06:2052
शुक्र	09:08:2052
सूर्य	26:12:2052
चन्द्रमा	05:02:2053
मंगल	15:04:2053
राहु	02:06:2053

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	04:10:2053
बुध	09:03:2054
केतु	26:07:2054
शुक्र	21:09:2054
सूर्य	04:03:2055
चन्द्रमा	22:04:2055
मंगल	13:07:2055
राहु	08:09:2055
बृहस्पति	03:02:2056

केतु ग्रह दशा

(Start Date: 13:06:2056, End Date: 13:06:2063)

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	13:06:2056
शुक्र	22:06:2056
सूर्य	17:07:2056
चन्द्रमा	24:07:2056
मंगल	06:08:2056
राहु	14:08:2056
बृहस्पति	06:09:2056
शनि	26:09:2056
बुध	19:10:2056

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	10:11:2056
सूर्य	20:01:2057
चन्द्रमा	10:02:2057
मंगल	17:03:2057
राहु	11:04:2057
बृहस्पति	14:06:2057
शनि	10:08:2057
बुध	16:10:2057
केतु	16:12:2057

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	10:01:2058
चन्द्रमा	16:01:2058
मंगल	27:01:2058
राहु	03:02:2058
बृहस्पति	22:02:2058
शनि	11:03:2058
बुध	31:03:2058
केतु	19:04:2058
शुक्र	26:04:2058

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	17:05:2058
मंगल	04:06:2058
राहु	16:06:2058
बृहस्पति	18:07:2058
शनि	16:08:2058
बुध	19:09:2058
केतु	19:10:2058
शुक्र	31:10:2058
सूर्य	06:12:2058

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	16:12:2058
राहु	25:12:2058
बृहस्पति	16:01:2059
शनि	05:02:2059
बुध	01:03:2059
केतु	22:03:2059
शुक्र	31:03:2059
सूर्य	24:04:2059
चन्द्रमा	02:05:2059

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	14:05:2059
बृहस्पति	11:07:2059
शनि	31:08:2059
बुध	31:10:2059
केतु	24:12:2059
शुक्र	15:01:2060
सूर्य	19:03:2060
चन्द्रमा	07:04:2060
मंगल	10:05:2060

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	01:06:2060
शनि	16:07:2060
बुध	09:09:2060
केतु	27:10:2060
शुक्र	16:11:2060
सूर्य	12:01:2061
चन्द्रमा	29:01:2061
मंगल	26:02:2061
राहु	18:03:2061

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	08:05:2061
बुध	11:07:2061
केतु	07:09:2061
शुक्र	30:09:2061
सूर्य	07:12:2061
चन्द्रमा	27:12:2061
मंगल	30:01:2062
राहु	22:02:2062
बृहस्पति	24:04:2062

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	17:06:2062
केतु	07:08:2062
शुक्र	28:08:2062
सूर्य	27:10:2062
चन्द्रमा	15:11:2062
मंगल	15:12:2062
राहु	05:01:2063
बृहस्पति	28:02:2063
शनि	17:04:2063

शुक्र ग्रह दशा

(Start Date: 14:06:2063, End Date: 13:06:2083)

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	14:06:2063
सूर्य	02:01:2064
चन्द्रमा	03:03:2064
मंगल	13:06:2064
राहु	23:08:2064
बृहस्पति	22:02:2065
शनि	03:08:2065
बुध	12:02:2066
केतु	03:08:2066

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	13:10:2066
चन्द्रमा	01:11:2066
मंगल	01:12:2066
राहु	22:12:2066
बृहस्पति	15:02:2067
शनि	05:04:2067
बुध	02:06:2067
केतु	23:07:2067
शुक्र	14:08:2067

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	13:10:2067
मंगल	03:12:2067
राहु	08:01:2068
बृहस्पति	08:04:2068
शनि	28:06:2068
बुध	03:10:2068
केतु	28:12:2068
शुक्र	02:02:2069
सूर्य	14:05:2069

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	14:06:2069
राहु	09:07:2069
बृहस्पति	10:09:2069
शनि	06:11:2069
बुध	13:01:2070
केतु	14:03:2070
शुक्र	08:04:2070
सूर्य	18:06:2070
चन्द्रमा	09:07:2070

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	14:08:2070
बृहस्पति	25:01:2071
शनि	20:06:2071
बुध	10:12:2071
केतु	14:05:2072
शुक्र	17:07:2072
सूर्य	16:01:2073
चन्द्रमा	11:03:2073
मंगल	11:06:2073

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	14:08:2073
शनि	21:12:2073
बुध	24:05:2074
केतु	09:10:2074
शुक्र	05:12:2074
सूर्य	16:05:2075
चन्द्रमा	04:07:2075
मंगल	23:09:2075
राहु	19:11:2075

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	13:04:2076
बुध	14:10:2076
केतु	27:03:2077
शुक्र	02:06:2077
सूर्य	12:12:2077
चन्द्रमा	07:02:2078
मंगल	15:05:2078
राहु	21:07:2078
बृहस्पति	11:01:2079

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	14:06:2079
केतु	07:11:2079
शुक्र	07:01:2080
सूर्य	27:06:2080
चन्द्रमा	18:08:2080
मंगल	13:11:2080
राहु	12:01:2081
बृहस्पति	16:06:2081
शनि	01:11:2081

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	14:04:2082
शुक्र	09:05:2082
सूर्य	19:07:2082
चन्द्रमा	09:08:2082
मंगल	13:09:2082
राहु	08:10:2082
बृहस्पति	11:12:2082
शनि	06:02:2083
बुध	14:04:2083

सूर्य ग्रह दशा

(Start Date: 14:06:2083, End Date: 13:06:2089)

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	14:06:2083
चन्द्रमा	19:06:2083
मंगल	28:06:2083
राहु	05:07:2083
बृहस्पति	21:07:2083
शनि	05:08:2083
बुध	22:08:2083
केतु	07:09:2083
शुक्र	13:09:2083

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	01:10:2083
मंगल	16:10:2083
राहु	27:10:2083
बृहस्पति	23:11:2083
शनि	18:12:2083
बुध	16:01:2084
केतु	11:02:2084
शुक्र	21:02:2084
सूर्य	23:03:2084

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	01:04:2084
राहु	08:04:2084
बृहस्पति	28:04:2084
शनि	15:05:2084
बुध	04:06:2084
केतु	22:06:2084
शुक्र	30:06:2084
सूर्य	21:07:2084
चन्द्रमा	27:07:2084

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	07:08:2084
बृहस्पति	25:09:2084
शनि	08:11:2084
बुध	31:12:2084
केतु	15:02:2085
शुक्र	06:03:2085
सूर्य	30:04:2085
चन्द्रमा	16:05:2085
मंगल	13:06:2085

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	02:07:2085
शनि	10:08:2085
बुध	25:09:2085
केतु	05:11:2085
शुक्र	22:11:2085
सूर्य	10:01:2086
चन्द्रमा	25:01:2086
मंगल	18:02:2086
राहु	07:03:2086

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	20:04:2086
बुध	14:06:2086
केतु	02:08:2086
शुक्र	22:08:2086
सूर्य	19:10:2086
चन्द्रमा	05:11:2086
मंगल	04:12:2086
राहु	24:12:2086
बृहस्पति	14:02:2087

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	02:04:2087
केतु	16:05:2087
शुक्र	03:06:2087
सूर्य	24:07:2087
चन्द्रमा	09:08:2087
मंगल	04:09:2087
राहु	22:09:2087
बृहस्पति	07:11:2087
शनि	19:12:2087

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	06:02:2088
शुक्र	14:02:2088
सूर्य	06:03:2088
चन्द्रमा	12:03:2088
मंगल	23:03:2088
राहु	30:03:2088
बृहस्पति	19:04:2088
शनि	06:05:2088
बुध	26:05:2088

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	13:06:2088
सूर्य	13:08:2088
चन्द्रमा	31:08:2088
मंगल	01:10:2088
राहु	22:10:2088
बृहस्पति	16:12:2088
शनि	03:02:2089
बुध	02:04:2089
केतु	23:05:2089

महत्वपूर्ण जानकारी (लाल किताब)

अन्धे ग्रहों की कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी कुण्डली के दसवें भाव में दो आपस में शत्रु ग्रह में बैठ जायें, तो ऐसी कुण्डली को अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) कहते हैं। कुण्डली में दसवां भाव जातक का कर्म स्थान है, इस घर का जातक की कमाई से संबद्ध है, इसलिए ऐसे भाव में दो या दो से अधिक परस्पर शत्रुता वाले ग्रह बैठ जायें तो, जातक के कर्मक्षेत्र में असंतुलन की स्तिथि पैदा हो जाती है। जातक की नौकरी या व्यापार में स्थिरता नहीं आ पाती है। दसवें भाव में बैठे अंधे हो चुके ग्रहों को ठीक करने के लिए दस अंधों को भोजन कराना चाहिए।

निष्कर्ष – आपकी कुण्डली अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) नहीं है।

आधे अन्धे ग्रहों की कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि चौथे भाव में सूर्य और सातवें भाव में शनि स्थित हों तो ऐसी कुण्डली को आधे अंधे ग्रहों की कुण्डली कहते हैं। इस ग्रह की स्थिति का जातक की मानसिक स्थिति और व्यवसायिक जीवन पर अशुभ असर होगा। जातक की मानसिक शांति में काफी कमी आ सकती है। चौथा भाव हमारे सुख का भी घर है, इस ग्रह स्थिति के कारण गृहस्थ सुख में कमी आने की संभावना होती है।

निष्कर्ष – आपकी कुण्डली आधे अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) नहीं है।

धर्मी कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि कुण्डली में बृहस्पति के साथ शनि बैठा हुआ है, तो ऐसी कुण्डली को धर्मी कुण्डली (टेवा) कहते हैं। ऐसे जातक के जीवन में कभी भी कोई बड़ी समस्या नही आ सकती है, जो कि जीवन में उथल–पुथल मचा दे। किसी बहुत मुश्किल या कष्ट के समय उसे कहीं न कहीं से दैवीय सहायता प्राप्त हो जाएगी।

निष्कष– यह कुण्डली धर्मी कुण्डली (टेवा) नहीं है।

ग्रहफल (लाल किताब)

सूर्य चौथे भाव मे

आपकी लाल किताब कुण्डली में सूर्य चौथे भाव में स्थित है। आप धन संग्रह करते रहेंगे और अन्य लोग इससे लाभ प्राप्त करेंगे। आपकी संतान करोड़पति होगी। आप किसी नई चीज का अविष्कार करेंगे और इस नयी खोज से आपको लाभ प्राप्त होगा। आपको नये कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। यदि आप अपने पैतृक व्यवसाय के अलाव कोई अन्य कार्य करेंगे तो आपको उसमें अधिक लाभ प्राप्त होगा। आप अपने देश को छोड़ कर विदेश में निवास कर सकते हैं। अपने पिता के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। आपको पैतृक सम्पत्ति भी प्राप्त होगी। यदि आप अपने घर पर नल लगवाते हैं या कुँआ बनवाते हैं तो आपको शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। आपको मन की शान्ति प्राप्त होगी। आपको अपनी 25 से 50 साल की आयु में बहुत लाभ प्राप्त होगा। पानी, कपड़े और दूध का व्यवसाय आपके लिये बहुत लाभकारी होगा और आप इससे बहुत लाभ कमायेंगे। विशेषकर कपड़े का व्यवसाय आपके लिये बहुत लाभकारी होगा। आप फल देने वाले वृक्ष लगायेंगे।

यदि आप रात में काम करेंगे तो आपको अधिक लाभ प्राप्त होगा। आपको घर संबंधित कोई समस्या नहीं आयेगी। आप समुद्री यात्राओं से लाभ प्राप्त करेंगे। आपको सरकारी विभाग से लाभ प्राप्त होंगे। आपकी पत्नी आपके लिये भाग्यशाली साबित होगी। आपको उनसे लाभ प्राप्त होगा। उन्हें अपने काम में उन्नति प्राप्त होगी। यदि आप वाहन से संबंधित कोई व्यवसाय करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा।

यदि आपमें चोरी करने की आदत हुई, आपने दूसरों के बनते काम बिगाड़े, किसी स्त्री के साथ गलत व्यवहार किया या पराई औरतों के साथ अनैतिक संबंध रखे तो आपका सूर्य कमजोर हो सकता है। यदि आपका सूर्य किसी कारण से कमजोर हो जाता है तो इसका बुरा असर आपके बच्चों पर पड़ सकता है। आपकी माता और बहन को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आप बिना किसी कारण के दुःखी रह सकते हैं। आपकी माता चिन्तित रह सकती हैं और उनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रह सकता है। आपको जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। यदि आपने दूसरों के बनते काम बिगाड़े तो आपको अपने कार्य में बाधाओं का

सामना करना पड़ सकता है और आपको रक्तचाप की समस्या हो सकती है। आपके माता–पिता के सुख में कमी आ सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– आपको चोरी से दूर रहना चाहिये।

2– महिलाओं के झगडे से दूर रहें।

उपाय : –

1– अन्धों को भोजन दें।

2– शुद्ध सोना पहनें।

चन्द्रमा पहले भाव मे

आपकी लाल किताब कुण्डली में चन्द्रमा पहले भाव में स्थित है। आपका जन्म काफी मिन्नतों के बाद हुआ होगा या आपका जन्म एक से अधिक बहनों के जन्म के बाद हुआ होगा। आपमें सबको आकर्शित करने की क्षमता होगी। आपको सफेद कपड़े पहनना पसन्द होगा। आपका स्वभाव शांत और विनम्र होगा। आप सुंदर होंगे। आप विद्वान होंगे और आपको कई भाश्शाओं का ज्ञान होगा। आपको पैतृक घर प्राप्त होगा। आप सम्पन्न होंगे और आपको जीवन में धन की कभी कमी नहीं होगी। यदि आपका विवाह 28 साल की आयु में होता है तो आप सारा जीवन सुखी रहेंगे। आपको किसी व्यक्ति की सम्पत्ति या धन प्राप्त होगा और इससे आप धनी हो जायेंगे। जब तक आपकी माता जीवित हैं, आपको धन की कमी नहीं होगी। आप दीर्घायु होंगे। आपको सरकार से सम्मान प्राप्त होगा। आपके जन्म के बाद आपके पिता की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके पिता को व्यापार, आर्थिक लाभ और जीवन से संबंधित शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। यदि आप 24 से 27 साल की आयु के बीच कोई यात्रा करते हैं तो यात्रा से वापस आने के बाद अपनी माता का आशीर्वाद लें। इससे आपकी माता दीर्घायु होंगी। आपको 24 साल की आयु से पहले अपना घर नहीं बनवाना चाहिये। आपकी वृद्धावस्था सुख से पूर्ण होगी।

यदि आप 24 साल से पहले अपना घर बनवाते हैं, 28 साल की आयु में विवाह करते हैं, अपनी आया से झगड़ा करते हैं या गाय को कश्श्ट देते हैं तो आपका चन्द्रमा कमजोर हो सकता है। यदि आपका चन्द्रमा किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप पानी में डूब सकते हैं। आपको मानसिक शांति नहीं मिल सकती है और आप चिन्तित रह सकते हैं। आपको मानसिक रोग हो सकता है। आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रह सकता है। आपको दिल और ऑख से सम्बन्धित रोग हो सकते हैं। आपको पुत्र का सुख प्राप्त नहीं हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– अपनी माता या बूढ़ी औरतों से झगड़ा न करें।

2– आपको नैतिक मार्ग से विचलित नहीं होना चाहिये।

उपाय : –

1– चांदी के गिलास में पानी या दूध पियें।

2– पीपल के वृक्ष पर जल चढ़ायें।

मंगल आठवे भाव मे

आपकी लाल किताब कुण्डली में मंगल आठवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार आप मांगलिक हैं। आपको अपने माता–पिता का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। अपने जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे और आपका वैवाहिक जीवन आनन्दपूर्ण होगा। आप निडर और उत्साही होंगे। परिणामों की परवाह किये बिना आप चुनौतियों का मुकाबला करेंगे। आप न्याय पाने के लिये लड़ाई करने से नहीं हिचकिचायेंगे। आप अपने काम में गहरी रूचि लेंगे और उसे पूरे मन से करेंगे। भगवान आपका जीवन बुरी घटनाओं से बचायेगा। आप बाधाओं का मुकाबला चिन्तित हुये बिना करेंगे। आपको अपने ससुराल वालों से सम्पत्ति प्राप्त होगी। आप अपने शत्रुओं को परास्त करेंगे।

यदि आप विधवा स्त्री के साथ झगड़ा करेंगे, हर समय अपने पास चाकू रखेंगे, लोगों के साथ झगड़ा करेंगे,

आपके घर पर जमीन के नीचे कोई भठ्ठी हुई तो आपका मंगल कमजोर हो सकता है। यदि आपका मंगल किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके छोटे भाई को अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। उसके कारण झगड़ा हो सकता है। आपका भाई आपकी बर्बादी का कारण बन सकता है। किसी अचानक दुर्घटना के कारण आपको कोई रक्त संबंधी विकार हो सकता है या कोई नाखून संबंधी रोग हो सकता है। किसी व्यक्ति पर बिना किसी कारण क्रोध करना आपके लिये पश्चाताप का कारण बन सकता है। आपको हानि भी हो सकती है। कोई आप पर आक्रमण कर सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– अपने घर पर जमीन के नीचे कोई भठ्ठी न रखें।

2– तोता न पालें।

उपाय : –

1– विधवा का आशीर्वाद लें।

2– तन्दूर में मीठी रोटी पकाकर कुत्ते को खिलायें।

बुध तिसरे भाव मे

आपकी लाल किताब कुण्डली में बुध तीसरे भाव में स्थित है। आप सदैव यात्रा करेंगे। आपको चिकित्सा व्यवसाय में यश प्राप्त होगा। आपके मित्र और संबंधी आपकी सहायता करेंगे। आपको कुछ खराब परिणामों के साथ उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। आप दूसरों के लिये भाग्यशाली साबित होंगे। जो भी आपसे मिलेगा, उसे लाभ प्राप्त होगा। आपको आय के उत्तम साधन प्राप्त होते रहेंगे। यदि आप फल, खेती, कांसे के बर्तन, पशुपालन से सम्बन्धित व्यवसाय करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा। आप अपने मामा और संतानों के लिये लाभकारी होंगे। आपको दमा का उपचार करना आता होगा। आप अपने व्यापार में प्रगति करेंगे। आप निडर होंगे, लेकिन झगड़ों से दूर रहेंगे। आपको बुरे कार्यों से घृणा होगी। किसी नये कार्य को आरम्भ करते समय आपके दिमाग में कई विचार आयेंगे और आप जिन पर विश्वास करेंगे, उनसे परामर्श करेंगे। आप अपने दिमाग से भी सोचेंगे।

यदि आप अपनी बुआ, बहन, पुत्री के धन का प्रयोग करेंगे, चौड़ी पत्ती वाला कोई वृक्ष लगायेंगे, दक्षिणमुखी घर में रहेंगे तो आपका बुध कमजोर हो सकता है। यदि आपका बुध किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपका जीवन बहुत अच्छा नहीं हो सकता है। आपको भाइ–बहनों का सुख नहीं मिल सकता है। आपका उनसे झगड़ा हो सकता है। आपका भाग्य देर से उदय हो सकता है। आपको संतान सुख देर से प्राप्त हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– मामा और बुआ से न लड़ें।

2– चौड़ी पत्ती वाला कोई वृक्ष न लगायें।

1– मामा और बुआ से न लड़ें।

2– चौड़ी पत्ती वाला कोई वृक्ष न लगायें।

3– बुआ से झगड़ा न करें।

4– विधवा या अविवाहित महिला से अनैतिक संबंध न रखें।

उपाय : –

1– कन्याओं की सेवा करें या दुर्गा पूजा करें।

2– तोता पालें।

बृहस्पति पाचवें भाव मे

आपकी लाल किताब कुण्डली में बृहस्पति पॉचवें भाव में स्थित है। आपकी संतान प्रगति करेगी। अपनी आयु बढ़ने के साथ–साथ आप भी प्रगति करेंगे। आपकी 16वें साल की आयु के दौरान आपका भाग्य चमकेगा। आप संतान की तरफ से सुखी रहेंगे। आपको 60 साल की आयु तक उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। आपको अपनी संतान के जन्म के बाद अपने दादा या पिता से मदद प्राप्त नहीं हो सकती है। आपकी संतान, जिसका जन्म बृहस्पतिवार को होगा, के जन्म के बाद आपका भाग्य चमकेगा। आपको आध्यात्म का परम ज्ञान होगा और आप यश प्राप्त

करेंगे। आप व्यापार या लेखन के द्वारा धन कमायेंगे। आप दूसरों की मदद करेंगे। आप धन संग्रह करेंगे और खुश रहेंगे। सामाजिक क्षेत्र में लोग आपको एक प्रधान की तरह मानेंगे।

यदि आप धर्म के विरूद्ध सोचेंगे, धर्म के नाम पर एकत्र किये गये दान का प्रयोग करेंगे, साधुओं से झगड़ा करेंगे तो आपका बृहस्पति कमजोर हो सकता है। यदि आपका बृहस्पति किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप और अधिक क्रोध कर सकते हैं। यदि आप पराई महिलाओं के साथ संबंध रखेंगे तो आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप अधिकारियों के साथ बैर भाव रखेंगे या बिना मोल दिये कोई सामान लेंगे तो आपको हानि हो सकती है। यदि आप मांसाहारी भोजन करेंगे या आलस्य करेंगे तो आपको हानि हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– ईश्वर में आस्था रखें।

2– नाव से किसी तरह का कोई संबंध न रखें।

उपाय : –

1– 1–साधुओं की सेवा करें।

2– 2–धर्मशाला या धार्मिक स्थान को साफ करें।

शुक पाचवें भाव मे

आपकी लाल किताब कुण्डली में शुक्र पॉचवें भाव में स्थित है। आप विद्वान होंगे। आप अपने शत्रुओं को परास्त करेंगे। आपको संतान सुख की प्राप्ति होगी। अपनी पत्नी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे और आपका वैवाहिक जीवन आनन्दपूर्ण होगा। आपकी पत्नी वफादार होंगी। आपको सफेद रंग की वस्तुओं से लाभ प्राप्त होगा। आप अपने समुदाय से प्रेम करेंगे। आपके विवाह के 5 साल बाद आपको धन और नौकरों का बहुत सुख प्राप्त होगा। आपको अपने व्यवसाय में उन्नति प्राप्त होगी। जब तक आपकी पत्नी जीवित हैं, आपको किसी प्रकार का अभाव

नहीं होगा। आपका धन बढ़ेगा। आप अपने परिवार और देश से प्रेम करेंगे। आप अपने भाई के लिये अनुकूल होंगे। आप जीवन में बाधाओं का सामना नहीं करेंगे। आपका जीवन आनन्द और शांति से पूर्ण होगा।

यदि आपने अपना चरित्र खराब किया, अपने माता–पिता की इच्छा के विरूद्ध विवाह किया तो आपका शुक्र कमजोर हो सकता है। यदि आपका शुक्र किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप कामुक हो सकते हैं और इस कारण से आपके सुख में बाधा पहुँच सकती है। यदि आपकी संगति बुरी हुई या आप प्रेम प्रसंग में पड़े तो भाग्य आपका साथ नहीं दे सकता है। आपके कारण आपके मित्रों को परेशानी हो सकती है। आप दोहरी प्रकृति वाले व्यक्ति होंगे। आपकी पत्नी का गर्भपात हो सकता है या आपको संतान प्राप्ति में देरी हो सकती है। यदि आप प्रेम विवाह करते हैं तो आपको पुत्र की प्राप्ति नहीं हो सकती है। आपकी बहन या बुआ के धन का नाश हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– महिलाओं के लिये दीवाने न हों।

2– अपने माता–पिता की इच्छा के विरूद्ध विवाह न करें।

3– प्रेम या अन्तर्जातीय विवाह न करें।

उपाय : –

1– अपने शरीर पर दही या दूध मलकर स्नान करें।

2– गाय की सेवा करें।

शनि दसवें भाव मे

आपकी लाल किताब कुण्डली में शनि दसवें भाव में स्थित है। आप महत्वाकांक्षी होंगे। आपको सरकार से लाभ प्राप्त होगा। यदि आप दूसरों का आदर करेंगे तो आपको भी सम्मान मिलेगा। प्रत्येक 7 साल की अवधि के बाद आपका धन बढ़ेगा। आपकी आयु के प्रत्येक 3 साल आपके लिये लाभकरी होंगे। आप धार्मिक और सद्गुणी

व्यक्ति होंगे, लेकिन अपनी वृद्धावस्था के दौरान आप निकम्मे हो सकते हैं। आपके ससुराल वालों का धन भी बढ़ेगा। आपको उत्तम वाहन का सुख प्राप्त होगा। यदि आप अपना व्यवसाय एक स्थान पर करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा। आप मेहनती होंगे और अपना भाग्य स्वयं लिखेंगे। आप 39 साल की आयु तक पिता का उत्तम सुख प्राप्त करेंगे। 3रा, 4था, 9वॉ, 21वॉ, 33वॉ, 40वॉ और 57वॉ साल आपके जीवन का बहुत लाभकरी होगा। आपका धन, प्रगति और सम्मान इन सालों में 10 गुना बढ़ेगा।

यदि आप 48 साल की आयु के पहले घर बनाते हैं, मांस–मदिरा का सेवन करेंगे, अपना चरित्र खराब करेंगे, यात्रा वाला व्यवसाय करेंगे तो आपका शनि कमजोर हो सकता है। यदि आपका शनि किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके माता–पिता, जीवनसाथी और ससुराल वालों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको हानि हो सकती है या आपकी प्रगति रूक सकती है। आपका धन और सम्मान लुप्त हो सकता है। आपके जीवन का 27वॉ साल अशुभ हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– मांस–मदिरा का सेवन न करें।

2– भाग–दौड़ के काम न करें।

उपाय : –

1– अपने पास हथियार न रखें।

2– अपने मस्तक पर केसर का तिलक लगायें।

राहु चौथे भाव मे

आपकी लाल किताब कुण्डली में राहु चौथे भाव में स्थित है। आप सद्गुणी, धनी और दीर्घायु होंगे। आप तीर्थस्थानों की यात्रा करेंगे। आप सज्जन होंगे और आरामदायक जीवन व्यतीत करेंगे। आप बड़ी सम्पत्ति के मालिक होंगे। आपको अपने संबंधियों से धन और सम्पत्ति प्राप्त होगी। आप दूसरों की मदद करेंगे और लोग

आपको परोपकारी व्यक्ति मानेंगे। आप दयालु होंगे और आपको वाहन का सुख प्राप्त होगा। आप अपनी बहन और पुत्री के लिये धन खर्च करेंगे। आपको अपने ससुराल से धन और लाभ प्राप्त होते रहेंगे। आपके ससुराल वालों का धन बढ़ेगा। आप 24 साल की आयु के बाद धन संग्रह करेंगे। आपके पिता और संतान को उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे, परन्तु आपकी माता के साथ ऐसा नहीं हो सकता है। आपको भूमि, भवन, वाहन और जीवन के अन्य सुख प्राप्त होंगे। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं तो आप अपने विभाग में एक उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको बन्दूक या पिस्तौल रखने का शौक होगा।

यदि आपने पूजा का स्थान बदला, लकड़ी का कोयला अपने घर की छत पर रखा, सीढ़ियों के नीचे रसोई बनायी, अपनी माता की उम्र की महिलाओं के साथ संबंध रखा तो आपका राहु कमजोर हो सकता है। यदि आपका राहु किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपको 34 साल की आयु के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपकी माता को भी परेशानी हो सकती है। आपके ससुराल और ननिहाल वालों को अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आप अपनी रखैल पर धन बर्बाद करने के बाद अपना जीवन बर्बाद कर सकते हैं। आप किसी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं। आप शेखचिल्ली की तरह दिन में सपने देख सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– अपनी माता की उम्र की महिलाओं के साथ अनैतिक संबंध न रखें।

2– गंगा स्नान करें।

उपाय : –

1– 1–घर पर गंगा जल से स्नान करें।

2– 2–पानी में सूखा धनिया प्रवाहित करें।

केतु दसवें भाव मे

आपकी लाल किताब कुंडली में केतु दसवें घर में स्थित है। आप धनवान होंगे और हर तरह की सुख–सुविधाओं

से परिपूर्ण होंगे। आपका जीवन खुशहाल होगा और आपको संतान सुख की प्राप्ति होगी। आपको पुत्र संतान की तुलना में कन्या संतान से अधिक सुख प्राप्त होगा। आप खेल जगत में विश्व प्रसिद्ध बन कर ख्याति प्राप्त कर सकते हैं। आपके धन में बढ़ोत्तरी होगी। आप शंकालु स्वभाव वाले हो सकते हैं। आपके जीवन में 40 वर्श की आयु तक समय मिला–जुला फल देगा। इसके बाद का समय बहुत ही शुभ और सुखकारक सिद्ध होगा। आपकी आर्थिक स्थिति पर कोई विशेश्श प्रभाव नहीं पड़ेगा। कुल मिलाकर आपका जीवन सुखमय रहेगा।

यदि आपने अपने भाई से झगड़ा किया, पराई स्त्रियों से अनैतिक संबंध रखे तो आपका केतु मंदा हो सकता है। यदि किसी कारण वश केतु मंदा हो गया तो आपका चाल–चलन ठीक नहीं हो सकता है। आप या तो नपुंसक हो सकते हैं या आपकी पुत्रियां अधिक हो सकती या आपको पुरुश्श संतान नहीं हो सकती है या संतान गोद लेने की नौबत आ सकती है। इसकी वजह से आपको बहुत परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। आपके भाई आपको बर्बाद कर सकते हैं या आपके धन का दुरुपयोग कर सकते हैं। पराई औरत के साथ संबंध आपके दाम्पत्य सुख में बाधा पहुंचा सकता है। यह आपके जीवन के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। आपको 48 वर्श की आयु के आस–पास या माता की मौत के बाद पुत्र सुख मिल सकता हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– चाल–चलन ठीक रखें।

2– कुत्तों से नफरत न करें।

उपाय : –

1– मकान की नींव में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।

2– घर में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।

आपकी कुण्डली में लागु होने वाले ऋण

पितृ ऋण

आपकी कुण्डली में सूर्य न तो पहले भाव में और न ही ग्यारहवें भाव में है और शुक्र पांचवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यह आपकी कुण्डली में पितृ ऋण को दर्शाता है। आपको लाल किताब में बताये हुए उपायों का पालन करना चाहिए। यह पितृ ऋण सूर्य से सम्बन्धित है। आपको सूर्य से सम्बन्धित लाल किताब के उपाय करने चाहिए।

पितृ ऋण के कारण

यदि कुल पुरोहित को अपने किसी निजी कारण से बदला गया या घर के आस–पास का कोई धार्मिक स्थल नष्ट कर दिया गया हो या घर के आस–पास में कोई पीपल या बड़गद का पेड़ नष्ट कर दिया गया हो या पीपल के पेड़ के नीचे शौच कर्म किया गया तो पितृ ऋण लागू होगा।

पितृ ऋण के लक्षण और प्रभाव

लाल किताब के अनुसार, आपके बाल में जब सफेदी आने लगेगी तो घर की धन–सम्पत्ति अपने आप नष्ट होनी शुरू हो जायेगी और आप विभिन्न समस्याओं से घिर सकते हैं तथा सिर पर चोटी के स्थान से बाल गायब हो जाते हैं और आप गले में माला या कंठी पहनना शुरू कर सकते हैं। आपके बारे में गलत अफवाहें उड़नी शुरू हो सकती हैं। आपको बिना गलती ही जेल जाना पड़ सकता है। परिवार में व्यर्थ के तनाव रह सकते हैं। बने–बनाये काम आखिरी वक्त पर बिगड़ सकते हैं, परिवार में व्यर्थ के कलह शुरू हो जायेंगे, परिवार में किसी की बीमारी का पता नहीं चल सकता है तथा आपकी मेहनत का फल देरी से प्राप्त हो सकता है। शुभ कामों में देरी हो सकती है, अच्छी आमदनी होते हुए भी बचत नहीं होगी, अपने पिता से आपका मनमुटाव हो सकता है, आपके शरीर में अक्सर दर्द रह सकता है। आपके रोजगार में निरंतर गिरावट हो सकती हैएवं आप आर्थिक रूप से बर्बाद हो सकते हैं।

पितृ ऋण के उपाय

स्वयं का ऋण

आपकी कुण्डली में शुक्र पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह आपकी कुण्डली में लागू हो रहे स्वयं के ऋण का परिचायक है।

स्वयं का ऋण के कारण

आप पूर्व जन्म में नास्तिक होंगे एवं परंपराओं का अपमान किया होगा या धर्म विरोधी कार्यों में संलग्न होंगे या अपने कुल की मर्यादा का उलंघन किया होगा, इसलिए आप पर स्व ऋण लागू होगा।

स्वयं का ऋण के लक्षण और प्रभाव

आपके घर में तन्दूर या भट्टी हो सकती है।आपके घर की छत के किसी सुराख से रोशनी आ रही होगी या हृदय रोग के लक्षण होंगे।आप अपने जीवन में उन्नति करेंगे और धन इकठ्ठा करेंगे। आप समाज में बहुत

सम्मानित भी हो सकते हैं, परन्तु आपका पुत्र ग्यारह महीने या ग्यारह साल का होता है तो आपके सम्मान और धन पर ग्रहण लग सकता है। आपके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ सकता है। यहां तक कि आप अपना शरीर भी नहीं हिला सकते हैं। निर्दोष होते हुए भी दण्ड भोगना पड़े या जीवन संघर्षों से भरा हो तो स्व ऋण का लक्षण माना जाएगा।

स्वयं का ऋण के उपाय

लाल किताब वर्षफल

18:12:2020--17:12:2021

वर्षफल कुण्डली (48)

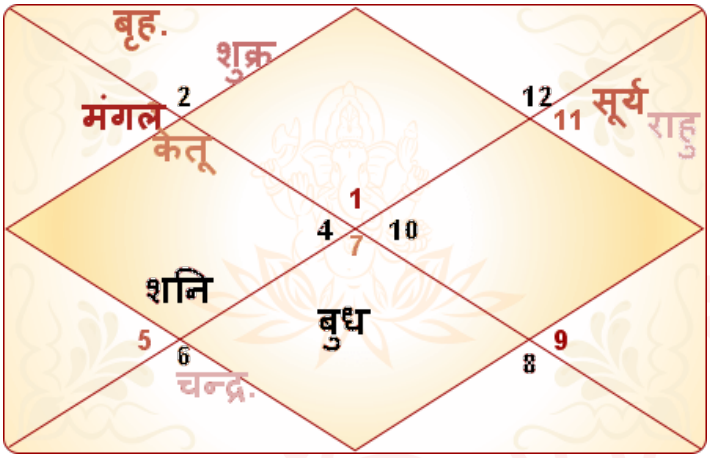

लग्न कुण्डली

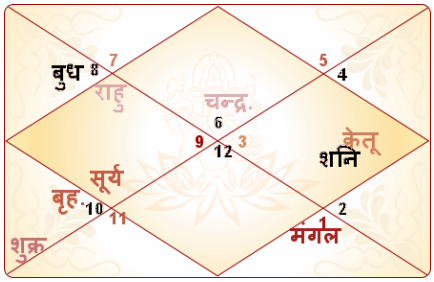

चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)

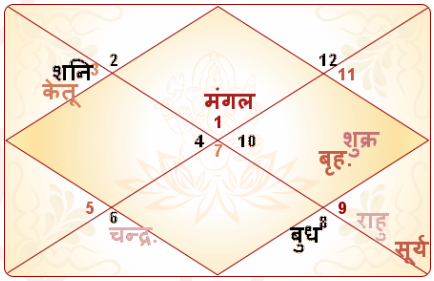

लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	11	5	राशि						हाँ	शुभ भाव
चन्द्रमा	6	4	ग्रह			केतु			हाँ	अशुभ भाव
मंगल	3	1, 8	ग्रह	हाँ			हाँ			शुभ भाव
बुध	7	3, 6	ग्रह	हाँ			हाँ			शुभ भाव
बृहस्पति	2	9, 12	ग्रह	हाँ						शुभ भाव
शुक्र	2	2, 7	ग्रह				हाँ			शुभ भाव
शनि	4	10, 11	राशि						हाँ	अशुभ भाव
राहु	11		राशि						हाँ	अशुभ भाव
केतु	4		ग्रह			चन्द्रमा	हाँ	हाँ	हाँ	

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1		मंगल	सूर्य	हाँ	सूर्य	शनि	मंगल
2	बृहस्पति, शुक	शुक	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	मंगल	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4	शनि, केतु	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
6	चन्द्रमा	बुध	बुध,केतु		बुध,राहु	शुक,केतु	केतु
7	बुध	शुक	शुक,बुध		शनि		शुक
8		मंगल	मंगल,शनि	हाँ		चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10		शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11	सूर्य, राहु	शनि	शनि				बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक,केतु	बुध,राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 48

सूर्य ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको सावधान और सचेत रहने की जरूरत है, अन्यथा दुर्घटना हो सकती है। आपके साले का स्वास्थ्य चिन्तनीय हो सकता है। आपके रिश्तेदार आपके धन का अपव्यय कर सकते हैं। आपका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं हो सकता है। अपने पिता से आपके संबंध पूरी तरह से खराब हो सकते हैं। पदोन्नति में बाधायें आ सकती हैं। सरकारी कार्यों में आपको घाटा उठाना पड़ सकता है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– 43 दिन तक रेत पर बिस्तर बिछाकर सोयें।
2– मांस–मछली का सेवन ना करें।
3– रात को अपने सिरहाने मूली रखकर सोयें।
4– झूठ ना बोलें।

चन्द्रमा छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको विदेशी सम्बन्धों से लाभ प्राप्त होगा। आपके शत्रुओं की पराजय होगी और आपके भाई–बन्धु और मित्र आपकी सहायता करेंगे।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपने पिता को अपने हाथों से दूध पिलायें।
2– अपने भेद दूसरों को ना बतायें।
3– खरगोश पालें।
4– रात में दूध का सेवन ना करें।

5– मुत में पानी का दान ना करें।

मंगल तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, पैतृक सम्पत्ति के बंटवारे में आपको कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता तथा भाई–बन्धुओं से आपका मनमुटाव हो सकता है। आपके भाई या चाचा का स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। गलत प्रेम–संबंधों के उजागर होने से भी आपको बदनामी का सामना करना पड़ सकता है। आपके स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है। यदि आप पैसों का लेन–देन बिना लिखित विवरण के करते हैं, तो यह ठीक नहीं है। आपको खून से सम्बन्धित बीमारियां हो सकती हैं।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपनी अंगुली में हाथी दांत का छल्ला पहनें।
2– अपने क्रोध पर काबू रखें।
3– अपने भाईयों की सहायता करें।
4– खाने–पीने पर विशेष ध्यान दें, अन्यथा पेट से सम्बन्धित बीमारी हो सकती है।
5– हाथी दांत से बनी वस्तुएं अपने घर में ना रखें।

बुध सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको अपने क्रोध पर काबू रखने की आवश्यकता होगी, अन्यथा आपका अनुचित व्यवहार आपकी मान–प्रतिष्ठा के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। यदि आप अपना व्यापार साझेदारी में करते हैं, तो इस वर्ष आपको घाटा उठाना पड़ सकता है। आपके भाई अथवा आपके जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– किसी भी कार्य को करने से पहले मीठा खायें।
2– हीरे की अंगुठी पहनना लाभदायक होगा।

3– घर में हरी घास रोपें।

बृहस्पति दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके पिता को सोने, चांदी के व्यापार में घाटा हो सकता है। उनको कम पूंजी वाले व्यापार में हाथ आजमाना चाहिए। इस वर्ष पैतृक सम्पत्ति के बंटवारे में आपको घाटा हो सकता है। आपको इस वर्ष अपने गुस्से पर काबू रखने की आवश्यकता है।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– घर के सामने के गड्ढों को मिट्टी से भरवायें।
2– सोने चांदी से सम्बन्धित व्यापार ना करें।
3– हल्दी या केसर का तिलक लगायें।
4– अपने घर का एक हिस्सा अधूरा ही बिना बनवाये छोड़ें।
5– अपना चाल–चलन ठीक रखें।
6– नवविवाहिता लड़की को पतीशे की मिठाई दें।

शुक्र दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आप अपनी कड़ी मेहनत से सफलता प्राप्त करेंगे। यदि आप विवाहित हैं, तो अपने जीवनसाथी का आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। धार्मिक प्रवृति भी प्रबल होगी। प्रेम संबंधों में धोखे की वजह से आप इस वर्ष ऐसे किसी भी संबंध से दूर ही रहेंगे। यदि आप अविवाहित हैं, तो विवाह का योग भी बन सकता है।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– आलू और दही का दान करें।
2– जानवरों से घृणा ना करें।
3– कपिला गाय की सेवा करें।

शनि चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष मछली का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए और शराब इत्यादि मादक पदार्थों से दूर रहना चाहिए। आपको हृदय से संबंधित परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है। पिता से आपके संबंधों में कड़वाहट आ सकती है। आपकी माता का स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकता है। यदि आप राजनैतिक क्षेत्र में सक्रिय हैं, तो आपके प्रयास विफल हो सकते हैं।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– कुएं में दूध गिरायें।
2– अपने भोजन में से एक हिस्सा मछलियों, कौओं या भैंस को खिलायें।
3– इस वर्ष काले कपड़े ना पहनें।
4– हरे रंग से बचें।
5– 4 पैक शराब जल में प्रवाहित करें।

राहु ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके पिता से आपका वैचारिक मतभेद हो सकता है और उनका स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। इस वर्ष आपको किसी भी प्रकार के विवाद से बचना चाहिए अन्यथा आप चोटग्रस्त हो सकते हैं। इस वर्ष लाल या नीला कपड़ा पहनना खतरनाक हो सकता है।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– नीलम या नीले रंग का कोई भी रत्न इस वर्ष नहीं पहनना है और ना ही अपने पास रखना है।
2– घर में बिजली के खराब उपकरण ना रखें।
3– सिर पर चोटी रखें या सफेद टोपी से सिर ढक कर रखें।

केतु चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी माता का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। आपको अपने खान–पान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, अन्यथा आपको मधुमेह संबंधी रोग होने की भी संभावना बन सकती है। इस वर्ष अपने कुल पुरोहित से अपना संबंध मधुर बनाकर रखना चाहिए। कुत्ते के काटने की भी संभावना हो सकती है, अतः आपको सावधान और सचेत रहने की आवश्यकता है।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– किसी धार्मिक स्थान में हल्दी, केसर या चने की दाल दान करें।

2– कुत्तों को ना मारें।

3– कुल–पुरोहित की सेवा करें।

लाल किताब वर्षफल

18:12:2021--17:12:2022

वर्षफल कुण्डली (49)

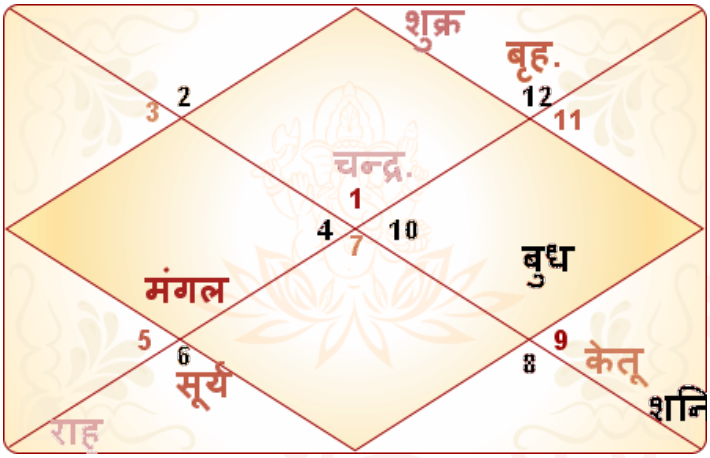

लग्न कुण्डली

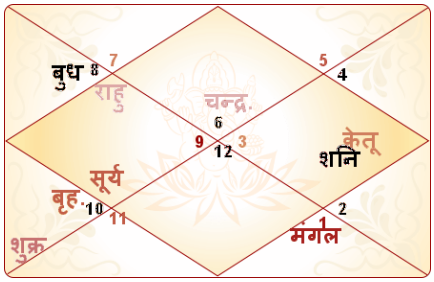

चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)

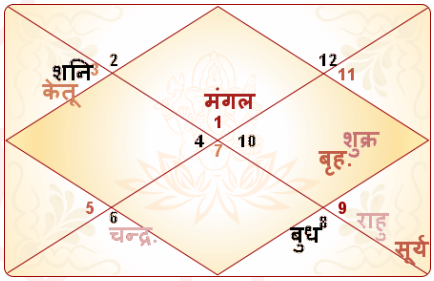

लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	6	5	राशि							अशुभ भाव
चन्द्रमा	1	4	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
मंगल	4	1, 8	ग्रह							अशुभ भाव
बुध	10	3, 6	ग्रह						हाँ	अशुभ भाव
बृहस्पति	12	9, 12	ग्रह						हाँ	शुभ भाव
शुक्र	12	2, 7	ग्रह						हाँ	शुभ भाव
शनि	9	10, 11	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
राहु	6		ग्रह		हाँ					शुभ भाव
केतु	9		ग्रह				हाँ		हाँ	शुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1	चन्द्रमा	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2		शुक्र	बृहस्पति	हाँ	चन्द्रमा		चन्द्रमा
3		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
4	मंगल	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
6	सूर्य, राहु	बुध	बुध,केतु		बुध,राहु	शुक्र,केतु	केतु
7		शुक्र	शुक्र,बुध		शनि		शुक्र
8		मंगल	मंगल,शनि	हाँ		चन्द्रमा	चन्द्रमा
9	शनि, केतु	बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10	बुध	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11		शनि	शनि	हाँ			बृहस्पति
12	बृहस्पति, शुक्र	बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र,केतु	बुध,राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 49

सूर्य छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपका स्वास्थ्य इस वर्ष आपके लिए चिन्ता का विषय होगा। आपको रक्तचाप से सम्बन्धित बीमारियां हो सकती हैं। धार्मिक कार्यो ं में विघ्न पड़ सकता है। यात्राओं से प्रायः हानि की संभावना होगी। आपके पिता का स्वास्थ्य भी इस वर्ष आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। आपके अधिकारी आपको अकारण परेशान कर सकते हैं।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– भूरे रंग की चीटियों को सतनाजा डालें।
2– अपने घर में चांदी के बर्तन में गंगाजल रखें।
3– अपनी माता की सेवा करें।
4– किसी धार्मिक स्थान में दान की हुई वस्तुओं को अपने घर में ले आकर रखें।

चन्द्रमा पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शत्रु ग्रहों के साथ युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आलस्य और कामचोरी की वजह से आपके कार्य पूर्ण होने में बाधायें आ सकती हैं। आपके मन में निराशा और अवसाद की भावना पैदा हो सकती है। अपने अधीनस्थ महिला कर्मचारियों के साथ आपके अनैतिक संबंध स्थापित हो सकते हैं। पत्नी या माता का स्वास्थ्य चिन्तनीय हो सकता है। पूरे वर्ष आप सर्दी–जुकाम से पेरशान रह सकते हैं। जमीन–जायदाद सम्बन्धी विवादों से भी आपको परेशानी हो सकती है।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– दूध और दूध से बनी वस्तुओं का व्यापार ना करें।
2– अपनी माता की सेवा करें।

3– चांदी के बर्तन का उपयोग करें।

4– नदी पार करते समय उसमें पैसा बहाएं।

मंगल चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके मान–सम्मान और आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। पारिवारिक और मानसिक सुख प्राप्त होगा। इस वर्ष आपको अनेक शुभ समाचारों की प्राप्ति हो सकती है। आपके उत्साह में अप्रत्याशित वृद्धि होगी। आपको अपनी माता या दादी से धन की प्राप्ति हो सकती है। इस वर्ष आपके घर में मेहमानों का तांता लगा रहेगा।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– आपको चीनी या शहद से सम्बन्धित कारोबार से बचना चाहिए।

2– अपने पास चांदी का एक चौकोर टुकड़ा रखें।

3– चीनी के खाली बोरे अपनी छत पर रखें।

4– दक्षिणमुखी मकान में ना रहें।

5– सुबह उठते ही अपना दांत साफ पानी से धोयें।

6– अपनी माता की सेवा करें।

बुध दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको किसी विदेशी स्रोत से लाभ प्राप्त होगा। आपके नौकरी/व्यापार में अड़चनें आयेंगी, परन्तु आप अपनी मेहनत से उन अड़चनों पर विजय प्राप्त करेंगे। आपकी बहन, बुआ अथवा बेटी की तरफ से भी इस वर्ष आपको शुभ समाचार प्राप्त होंगे। इस वर्ष आपको आध्यात्म और ज्योतिष संबंधी विषयों में भी रूचि होगी।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपने घर में तुलसी, मनीप्लांट इत्यादि चौड़े पत्तों वाले पौधे नहीं लगायें।

2– मांस–मदिरा इत्यादि के सेवन से बचें।

3– सूखा नारियल मंदिर में चढ़ायें।

4– बचा हुआ भोजन मछलियों को खिलायें।

5– मजदूरों की सेवा एवं सहायता करें।

बृहस्पति बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आप धार्मिक क्रिया–कलापों में अपना धन खर्च करेंगे तथा वर्ष–पर्यन्त धार्मिक प्रवृत्ति बनी रहेगी। धन के संबंध में इस वर्ष आप अधिक सोच–विचार नहीं करेंगे। आपका दिया हुआ आशीर्वाद फलीभूत होगा। धर्म, योग इत्यादि विषयों में वर्ष पर्यन्त आपका मन रमा रहेगा।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– पीपल के वृक्ष की सेवा करें।

2– केसर का तिलक लगायें।

3– दूसरों को धोखा ना दें।

4– गले में माला इत्यादि ना पहनें।

5– अपनी नाक साफ रखें।

6– साधु–संतों और बुजुर्गों की सेवा करें।

शुक्र बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपना चाल–चलन ठीक रखना चाहिए और परस्त्रीगमन से बिल्कुल ही बचना होगा, अन्यथा आपके जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर बहुत ही बुरा असर होगा। आपके जीवनसाथी के गिरते स्वास्थ्य की वजह से दाम्पत्य जीवन में कड़वाहट आ सकती है। आपका कोई मित्र या संबंधी आपके बारे में गलत अफवाहें फैला सकता है। इस वर्ष आपको धार्मिक कार्यों में भी रूचि नहीं होगी।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– नीले रंग का फूल अपनी पत्नी के हाथों जमीन में दबवायें।

2– अपना चाल–चलन ठीक रखें।

3– अपनी पत्नी की देखभाल करें।

4– घी के दिये जलायें।

5– बछड़े सहित गाय का दान करें।

शनि नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको सट्टे, लॉटरी या अनुमान पर आधारित क्षेत्रों में पैसा नहीं लगाना चाहिए। लोहा, तेल, मशीनरी इत्यादि के व्यापार में आपको घाटा हो सकता है। आपको धार्मिक क्रिया–कलापों में मन लगाना चाहिए।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपने घर की छत पर ईंधन ना रखें।

2– नौ दिन लगातार गंगा में स्नान करें।

3– दूसरों की अचल सम्पत्ति पर बुरी नजर ना डालें।

4– माथे पर केसर का तिलक लगायें।

राहु छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको व्यर्थ के लड़ाई–झगड़ों से बचना चाहिए। अपने पास आग्नेय हथियार नहीं रखना चाहिए। यदि आप अपने चाचा या मामा से झगड़ते हैं, तो आपको धन हानि हो सकती है। वाहन चलाते समय आपको सावधान और सचेत रहने की आवश्यकता होगी। पैसों के लेन–देन में कागजी कार्यवाई अवश्य करें, अन्यथा धोखा खा सकते हैं। बुरे लोगों की संगति से बचें।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– काला कुत्ता पालें।

2– अपने भाई–बन्धु से लड़ाई–झगड़ा ना करें।

3– शीशे की 6 गोलियां अपने पास रखें।

4– काले शीशे का गोल टुकड़ा अपने पास रखें।

केतु नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष की हुई यात्रा अधिक लाभदायक नहीं होगी। यदि आप अपना चाल–चलन ठीक नहीं रखेंगे, तो संतान को कष्ट हो सकता है। आपका किसी दूरस्थ स्थान पर स्थानान्तरण हो सकता है और यदि पदोन्नति की संभावना बन रही है, तो किसी कारणवश उसमें बाधा आ सकती है। जायदाद के मामले में भी आपकी चिन्ता बनी रहेगी।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– कानों में सोना पहनें।

2– सोने की ईंट (21 ग्राम) अपने घर में रखें।

3– गलत लोगों की संगत में ना रहें।

4– कुत्तों को ना सतायें।

लाल किताब वर्षफल

18:12:2022--17:12:2023

वर्षफल कुण्डली (50)

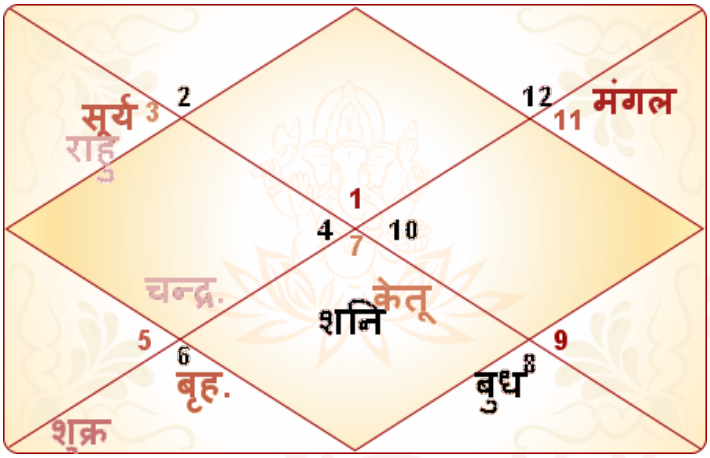

लग्न कुण्डली

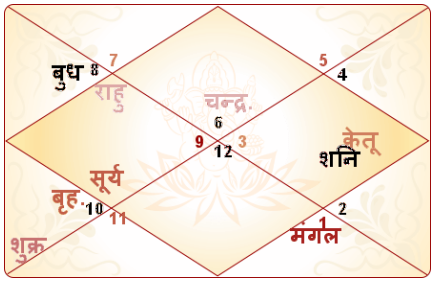

चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)

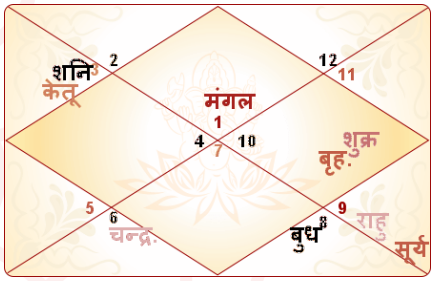

लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	3	5	राशि							शुभ भाव
चन्द्रमा	4	4	ग्रह	हाँ	हाँ		हाँ			शुभ भाव
मंगल	11	1, 8	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
बुध	8	3, 6	राशि			शनि			हाँ	अशुभ भाव
बृहस्पति	6	9, 12	राशि						हाँ	अशुभ भाव
शुक्र	6	2, 7	ग्रह			केतु			हाँ	अशुभ भाव
शनि	7	10, 11	ग्रह			बुध	हाँ		हाँ	शुभ भाव
राहु	3		ग्रह							शुभ भाव
केतु	7		ग्रह			शुक्र			हाँ	अशुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1		मंगल	सूर्य	हाँ	सूर्य	शनि	मंगल
2		शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	सूर्य, राहु	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4	चन्द्रमा	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
6	बृहस्पति, शुक	बुध	बुध,केतु		बुध,राहु	शुक,केतु	केतु
7	शनि, केतु	शुक्र	शुक,बुध		शनि		शुक्र
8	बुध	मंगल	मंगल,शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10		शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11	मंगल	शनि	शनि				बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक,केतु	बुध,राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 50

सूर्य तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रह से युक्त या दृष्ट होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आप पर गलत इल्जाम लग सकता है, जिसकी वजह से आप कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। नौकरी/कारोबार में प्रतिकूल परिस्थितियां उत्पन्न होने के कारण आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है। दिन में ही आपके धन की चोरी हो सकती है। किसी निकट संबंधी से झगड़ा या विवाद हो सकता है। आपको पराई स्त्रियों से संबंध नहीं रखना चाहिए, अन्यथा बदनामी हो सकती है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– 50 ग्राम जौ लाल कपड़े में बांध कर अपने घर के किसी अंधेरी कोठरी में रखें।
2– अपना चाल–चलन ठीक रखें।
3– सबका भला सोचें।

चन्द्रमा चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार आपको इस वर्ष गहरे पानी में नहाने से बचना चाहिए। आपकी माता का स्वास्थ्य भी चिन्ता का विषय हो सकता है। नशे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। दूसरों की मुसीबत को अपने गले नहीं लगाना चाहिए।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपनी माता को अपनी कमाई में से हिस्सा दें।
2– इस वर्ष कोई भी कार्य शुरू करने से पहले अपने घर में दूध से भरा मिट्टी का घड़ा रखें। दूध और दूध से बनी हुई वस्तुओं का व्यापार ना करें।
3– बुजुर्ग औरतों का आशीर्वाद लें।
4– दूध ना जलायें।

5– दान–पुण्य करते रहें।

मंगल ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपका अपने भाईयों के साथ झगड़ा या मनमुटाव हो सकता है। अपने ही लोग आपके विरोधी हो सकते हैं। आपके मन में सांसारिक भोग और वासनात्मक रूचियों में बढोत्तरी हो सकती है। आपकी संतान आपको धन हानि करा सकती है। धन संपत्ति को लेकर अपने पारिवारिक सदस्यों से आपका मनमुटाव हो सकता है।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– मिट्टी के बर्तन में शहद या सिन्दूर भरकर रखें।
2– अपनी पैतृक सम्पत्ति ना बेचें।
3– अपने पुत्र के जन्मदिन पर साले और भान्जे को उपहार दें।
4– अपने बहन–बहनोई की सेवा करें।

बुध आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके शत्रु आप पर हावी हो सकते हैं। आपका पारिवारिक जीवन भी ज्यादा सुखमय नहीं हो सकता है। इस वर्ष आपको विपरीत लिंग के व्यक्तियों से संबंध बनाने से बचना चाहिए, अन्यथा आपका पारिवारिक जीवन अशांत हो सकता है।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपने घर की छत पर बारिश का पानी रखें।
2– नितम्ब पर काला सुरमा लगायें।
3– घर के पूजास्थान को ना बदलें।
4– कुल्हड़ में शहद भरकर विराने में दबायें।
5– ताँबे के बर्तन में हरी मूंग भरकर जल में प्रवाहित करें।

बृहस्पति छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, धार्मिक क्रिया–कलापों में आपको विशेष रूचि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। इस वर्ष आपके मन में परोपकार की भावना भी प्रबल होगी। आपके ननिहाल में भी खुशियों का माहौल होगा। इस वर्ष आपके बहुत सारे कार्य बिना मेहनत के ही पूरे हो जायेंगे।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– चने की दाल किसी धार्मिक स्थान में दान करें।
2– इस वर्ष अपने कुल–पुरोहित या किसी भी मंदिर के पुजारी को वस्त्र दान करें।
3– मुर्गियों को अनाज डालें।
4– दान या मुत की कोई भी वस्तु ना लें।

शुक्र छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष अपने जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में कड़वाहट रह सकती है और आपके जीवनसाथी के पैरों या पैर की एड़ियों में कष्ट हो सकता है। आपके जीवनसाथी को इस वर्ष गुप्त रोग होने की भी संभावना हो सकती है। किसी स्त्री से विवाद होने के कारण आपको आर्थिक हानि भी उठानी पड़ सकती है। इस वर्ष प्रणय संबंध में किसी मित्र के द्वारा विश्वासघात की भी संभावना है।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपनी पत्नी को नंगे पांव ना चलने दें।
2– स्त्रियों का आदर करें।
3– ठोस चांदी अपने पास रखें।

शनि सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। इस वर्ष जीवनसाथी की अस्वस्थता और वैचारिक मतभेदों की वजह से वैवाहिक जीवन अशांत हो सकता है। आपको अपने साझेदारों पर शक नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। चिकित्सा और रसायन से संबंधित व्यापार में आपको घाटा होने की संभावना है। गुस्से की मात्रा भी इस वर्ष ज्यादा ही होगी, इसलिए सावधानी के तौर पर आपको अपने पास कोई भी हथियार आदि नहीं रखना चाहिए। इस वर्ष बुरे लोगों की संगति भी आपके लिए भारी पड़ सकती है।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– मिट्टी के बर्तन में शहद भरकर विराने में दबायें।
2– बुरे लोगों की संगति ना करें।
3– डॉक्टर और केमिस्ट की संगति से बचें।
4– काली गाय की सेवा करें।

राहु तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आर्थिक मामलों में यह वर्ष भाग्यशाली होगा। नौकरी/कारोबार में उन्नति होगी और आपके शत्रु इस साल दबे रहेंगे। भविष्य में घटने वाली घटनाओं का आपको पूर्वाभास हो जाएगा और आपके लेखन में तलवार जैसी ताकत होगी। सट्टे, लॉटरी इत्यादि से आकस्मिक धन की प्राप्ति होगी। संतान पक्ष से कुछ चिन्ताएं हो सकती हैं। वर्ष के अन्त में भाग्योदय से संबंधित कोई विशेष घटना घटित हो सकती है।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– हाथी दांत या इससे बनी हुई वस्तुओं का व्यवसाय ना करें।
2– हाथी की शक्ल के खिलौने अपने घर में ना रखें।
3– चांदी की डिब्बी में चावल डालकर अपने घर में रखें।

केतु सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपकी धन–सम्पत्ति और मान–मर्यादा में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। पारिवारिक और मानसिक स्थिति ठीक रहेगी। आपकी संतान भी आपकी सहायता करेगी। तीर्थाटन की भी संभावना है। टेलीविजन, कम्प्यूटर इत्यादि के व्यापार में लाभ होगा। समाज में आपकी मान–प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपना चाल–चलन ठीक रखें।

2– 4 केले 4 दिन बहते हुए पानी में बहायें।

3– 4 नींबू 4 दिन तक जल में प्रवाहित करें।

लाल किताब वर्षफल

18:12:2023--17:12:2024

वर्षफल कुण्डली (51)

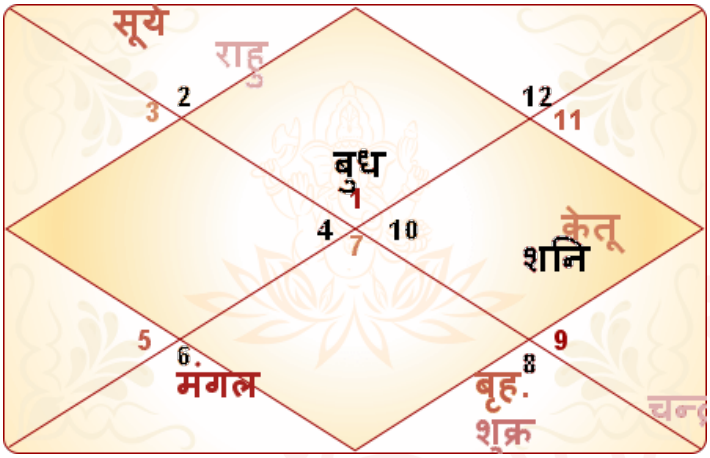

लग्न कुण्डली

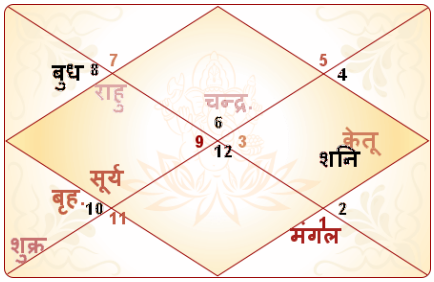

चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)

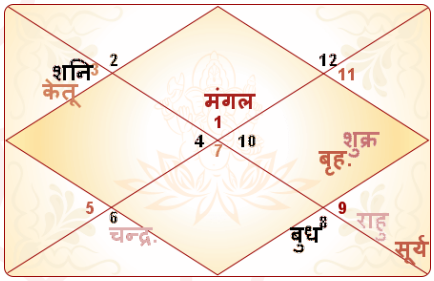

लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	2	5	राशि							शुभ भाव
चन्द्रमा	9	4	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
मंगल	6	1, 8	राशि				हाँ		हाँ	...
बुध	1	3, 6	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
बृहस्पति	8	9, 12	राशि							शुभ भाव
शुक्र	8	2, 7	राशि				हाँ			...
शनि	10	10, 11	ग्रह	हाँ	हाँ		हाँ			शुभ भाव
राहु	2		राशि							अशुभ भाव
केतु	10		राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1	बुध	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2	सूर्य, राहु	शुक	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
4		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
6	मंगल	बुध	बुध,केतु		बुध,राहु	शुक,केतु	केतु
7		शुक	शुक,बुध		शनि		शुक
8	बृहस्पति, शुक	मंगल	मंगल,शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9	चन्द्रमा	बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10	शनि, केतु	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11		शनि	शनि	हाँ			बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक,केतु	बुध,राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 51

सूर्य दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आप व्यर्थ के कार्यों पर अपना धन खर्च कर सकते हैं। यदि आप जमीन जायदाद संबंधी किसी मुकदमे में फंसे हुए हैं, तो आपकी हार हो सकती है। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष अधिक उत्तम नहीं हो सकता है। आपके भाई की पत्नी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। आपको इस वर्ष हृदय या नेत्र से संबंधित रोगों से पीड़ित होना पड़ सकता है। अपने अधिकारियों से आपके संबंध बिगड़ सकते हैं, आपको सावधान रहने की जरूरत है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– मुत में कोई वस्तु ना लें।
2– दूसरों के धन पर बुरी नजर ना रखें।
3– धार्मिक स्थान में बादाम, नारियल और सरसों का तेल दान करें।

चन्द्रमा नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में नौवें भाव में बैठा हुआ है। यह वर्ष आपके लिए लम्बी एवं धार्मिक यात्राओं का सूचक है। धार्मिक क्रिया–कलापों में आपकी रूचि होगी। आध्यात्म और तंत्र–मंत्र में भी आपकी रूचि हो सकती है। भाई–बन्धुओं के साथ आपके संबंध मधुर बने रहेंगे। आपका स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– तीर्थ यात्रा करें।
2– मछलियों को चावल खिलायें।
3– अपना चाल–चलन ठीक रखें।

मंगल छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष व्यय में अधिकता होने की वजह से आपको कर्ज लेना पड़ सकता है। अनचाहे मेहमानों से भी आपको कष्ट हो सकता है। अपने भाईयों से आपका विवाद हो सकता है। व्यर्थ की यात्राओं से भी आपका मन अशांत रहेगा। इस वर्ष आपको दुख भरे गाने सुनने और गाने से परहेज करना चाहिए, जहां तक हो सके, खुशियों से भरे माहौल में रहें।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– नीम का वृक्ष लगायें।
2– रात को सिरहाने पानी रखकर सुबह किसी पेड़ की जड़ में डालें।
3– पितरों का श्राद्ध करें।
4– अपने घर में 9 मन अनाज हमेशा रखें।

बुध पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको नशे इत्यादि से बचना चाहिए, अन्यथा आपके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। विदेश यात्रा से आपको नुकसान हो सकता है। इस वर्ष आपको विवादों से भी बचने की जरूरत होगी। अपने जीवनसाथी से मनमुटाव ना करें, बल्कि समझौतावादी रूख अपनायें। आपको अपने खान–पान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, अन्यथा आपका पेट खराब हो सकता है। तांत्रिक क्रियाओं की ओर आपका रूझान हो सकता है। आपको इस वर्ष कोई भी कार्य बहुत सोच–समझकर करना चाहिए, नही ंता आप अलग–थलग पड़ सकते हैं।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– मांस–मदिरा का सेवन ना करें।
2– अपना चाल–चलन ठीक रखें।
3– मछली का शिकार ना करें।
4– हरे कपड़े से परहेज करें।

5– अण्डे का सेवन इस वर्ष ना करें।

6– अतिथियों का सत्कार करें।

बृहस्पति आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, परिवार में किसी बुजुर्ग सदस्य का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय होगा। इस वर्ष आप बुरी अफवाहों से काफी परेशान रह सकते हैं। आपको मूत्र संबंधी रोग हो सकते हैं। इस वर्ष आपको अपनी आलस्य का त्याग पूरी तरह से करना होगा, अन्यथा बनते काम भी बिगड़ने लगेंगे।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– सोना धारण करें।

2– किसी धार्मिक स्थान में घी, दही, आलू, कपूर इत्यादि दान करें।

3– साधु–संतों को अपने घर से खाली हाथ ना जाने दें।

शुक्र आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, विदेशी संबंधों से इस वर्ष आपको लाभ हो सकता है। व्यर्थ के लड़ाई–झगड़ों से इस वर्ष आप बचे रहेंगे, मुकदमों इत्यादि में आपकी जीत होगी। नयी योजनाओं की सफलता में आपके जीवनसाथी का महत्वपूर्ण योगदान होगा। आप अपने जीवनसाथी के दिए हुए सुझावों को मानेंगे, जिससे आपको फायदा होगा। किसी धनी, बुजुर्ग या रिश्तेदार की मृत्यु के पश्चात आपको धन की प्राप्ति होगी।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– धार्मिक कार्यों में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लें।

2– गंदे नाले में ताँबे का पैसा बहायें।

3– मुत में कोई भी सामान ना लें।

4– बछड़े वाली गाय जिसका रंग सफेद ना हो, दान करें।

शनि दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में होकर दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको तीर्थ यात्रा, विदेश यात्रा आदि का योग है। सरकारी कर्मचारियों या सरकार की तरफ से आपको लाभ होने की संभावना है। इस वर्ष दसवां महीना और हर महीने की दसवीं तारीख आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी। धार्मिक कार्यों में भी आप रूचि लेंगे। यदि आप एक जगह बैठकर कार्य करते हैं, तो यह आपके लिए लाभदायक रहेगा।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– शराब और मछली का सेवन नहीं करना चाहिए।
2– किसी प्रकार का हथियार अपने पास ना रखें।
3– भागने–दौड़ने का कार्य ना करें।

राहु दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष जुआ, लॉटरी और शेयर इत्यादि से धन हानि हो सकती है। अपने ससुराल पक्ष के लोगों से मधुर संबंध बनाए रखें। किसी धार्मिक स्थान में चोरी के इल्जाम में आपको फंसाया जा सकता है। दान या मुत में कोई भी वस्तु ना लें। अपना व्यवहार संयमित रखें।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– गले में चांदी की गोली धारण करें।
2– किसी धार्मिक स्थान में ना रहें।
3– केसर या हल्दी का सेवन करें।

केतु दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में होकर दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी धन–सम्पत्ति और मान–मर्यादा में चतुर्दिक वृद्धि होगी। समाज में आपकी मान–प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आराम के साधनों में वृद्धि होगी, परन्तु आपका स्वभाव थोड़ा शंकालु हो सकता है। आपकी माता का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। आपको उनकी देखभाल करनी चाहिए।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– घर में चांदी के बर्तन में शहद भरकर रखें।

2– कुत्तों को ना सतायें।

3– अपना चाल–चलन ठीक रखें।

लाल किताब वर्षफल

18:12:2024--17:12:2025

वर्षफल कुण्डली (52)

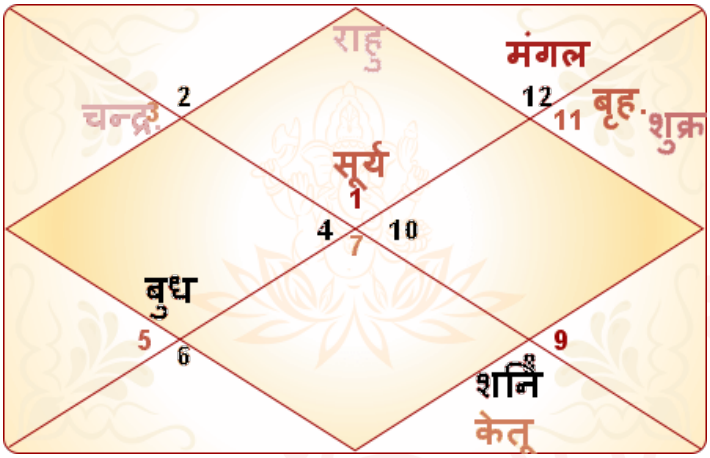

लग्न कुण्डली

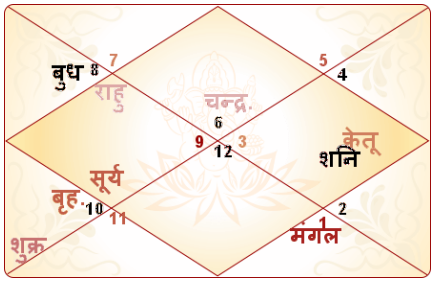

चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)

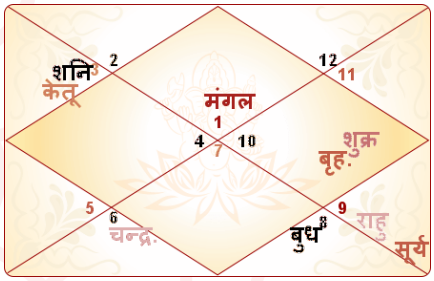

लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	1	5	ग्रह	हाँ						शुभ भाव
चन्द्रमा	3	4	राशि				हाँ			शुभ भाव
मंगल	12	1, 8	राशि						हाँ	शुभ भाव
बुध	4	3, 6	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
बृहस्पति	11	9, 12	ग्रह	हाँ	हाँ					...
शुक्र	11	2, 7	राशि						हाँ	...
शनि	8	10, 11	ग्रह	हाँ			हाँ			शुभ भाव
राहु	1		राशि						हाँ	अशुभ भाव
केतु	8		राशि				हाँ			...

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1	सूर्य, राहु	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2		शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	चन्द्रमा	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4	बुध	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
6		बुध	बुध,केतु	हाँ	बुध,राहु	शुक्र,केतु	केतु
7		शुक्र	शुक्र,बुध		शनि		शुक्र
8	शनि, केतु	मंगल	मंगल,शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10		शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11	बृहस्पति, शुक	शनि	शनि				बृहस्पति
12	मंगल	बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र,केतु	बुध,राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 52

सूर्य पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको नौकरी/कारोबार में विफलता हाथ लग सकती है या हानि उठाना पड़ सकता है। इस वर्ष जो भी नया कार्य शुरू करेंगे उसमें आपको अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। इस वर्ष ऋण लेने की स्थिति भी बन सकती है। आपका और आपके परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। अपनी पत्नी और संतान से अलगाव भी संभव है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– मांस मदिरा का सेवन ना करें।
2– अपना चाल–चलन ठीक रखें।
3– सूर्य को मीठे जल का अर्घ्य दें।

चन्द्रमा तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपकी मानसिक और पारिवारिक स्थिति इस वर्ष सुदृढ़ होगी। पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। इस वर्ष आपको पर्यटन और भ्रमण करने की तीव्र लालसा होगी और आप कई व्यवसायिक यात्रायें भी करेंगे। अपने हाथ में लिए हुए कार्यों को आप सफलतापूर्वक पूरा करेंगे।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– खाने–पीने के लिए चांदी के बर्तनों का प्रयोग करें।
2– दुर्गा पूजन करवाएं।
3– अपनी कन्या संतान के पैसे का उपयोग ना करें।

मंगल बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, परिवार के किसी सदस्य का स्वास्थ्य इस वर्ष आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। दवाइयों इत्यादि पर भी आपको अनावश्यक व्यय करने की आवश्यकता पड़ सकती है। आपको अपने गुस्से पर काबू रखने की आवश्यकता होगी। गृहस्थ जीवन भी अधिक सुखमय नहीं हो सकता है।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– मीठी रोटी का सेवन करें और कुत्तों को भी खिलायें।
2– धर्मस्थान में बताशें दान करें।
3– सुबह शहद का सेवन करें।
4– सिर को लाल कपड़े से ढक कर रखें।

बुध चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके ससुराल पक्ष के लोगों की वजह से गृहस्थ जीवन में अशांति हो सकती है। आपकी माता का स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकता है। यदि आप इस वर्ष बहन, बुआ या बेटी से धन लेकर कोई व्यापार करते हैं, तो उसमें आपको घाटा हो सकता है। हृदय से संबन्धित परेशानियों का आपको सामना करना पड़ सकता है।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– बन्दरों को गुड़ खिलायें।
2– हरे रंग की वस्तुओं एवं कपड़ों का प्रयोग ना करें।
3– खाकी धागे में ताँबे का पैसा डालकर गले में पहनें।
4– 101 पलाश के पत्तों को दूध में धोकर बहते हुए पानी में बहायें।
5– हल्दी या केसर का तिलक लगायें।

बृहस्पति ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके शत्रु भी शत्रुता छोड़कर मित्रता का हाथ बढ़ायेंगे। आप गरीब और जरूरतमंद लोगों की सहायता करेंगे। धार्मिक क्रिया–कलापों में आप बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेंगे। यदि आप विवाहित हैं, तो पुत्र प्राप्ति का भी योग है। आपके पिता और दादा आपकी सहायता करेंगे। आप दूसरों पर अपना प्रभाव डालने में सक्षम होंगे। आर्थिक रूप से यह वर्ष आपके लिए अत्यंत उत्तम है।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– पीला रूमाल अपने पास रखें।
2– शमशान में माथा टेकें और ताबें का पैसा गिरायें।
3– अण्डे का सेवन बिल्कुल ना करें।
4– अपने पिता का बिस्तर इत्यादि इस्तेमाल में लायें।
5– इस वर्ष घर में पूजा स्थान ना बनायें।

शुक्र ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह वर्ष आपके लिए आर्थिक समृद्धि का वर्ष है। घर में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आपके जीवनसाथी का आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। यदि आप विवाहित हैं और आपकी पत्नी गर्भवती हैं, तो आपको कन्या की प्राप्ति हो सकती है। आपके मन में धार्मिक प्रवृत्तियों का विकास होगा, परन्तु मन में उथल–पुथल रहेगी। आपके ससुराल पक्ष के लोग आपके प्रति सहयोगी रहेंगे। आपकी बहन या साली भी आपका आर्थिक रूप से सहयोग करेगी।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– सरसो के तेल का दान करें।
2– इस वर्ष अपनी मां या पत्नी को घर की आर्थिक स्थिति संभालने का दायित्व ना दें।
3– अपनी नौकरी/व्यवसाय जल्दी–जल्दी ना बदलें।
4– द्धयदि आपका इस वर्ष विवाह हो रहा है, तो सफेद गाय का दान करें।

शनि आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको सट्टे, लॉटरी, शेयर इत्यादि में पैसा नहीं लगाना चाहिए। इस वर्ष आपके मकान में तोड़–फोड़ हो सकती है। बहुत सारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– नंगे पैर ना नहायें।
2– अपने नाम पर इस वर्ष कोई मकान ना खरीदें।
3– चांदी का चौकोर टुकड़ा अपने पास रखें।
4– आठ किलो काले उड़द की दाल जल में प्रवाहित करें।

राहु पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके जीवन में कोई बड़ा बदलाव आ सकता है। कोई बड़ी योजना पूरी होते–होते कठिनाइयों की वजह से रूक सकती है। आपको धार्मिक कार्यों में रूचि नहीं हो सकती है और अपने उपर आपका नियंत्रण खत्म हो सकता है। घूस लेने आदि का इल्जाम आपके उपर लग सकता है। आपको इस वर्ष काले और नीले कपड़े पहनने से बचना चाहिए।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– किसी धार्मिक स्थान में गेहुं, गुड़ और ताँबे का दान करें।
2– खाने–पीने में विशेष सावधानी बरतें।
3– बिजली के उपकरण किसी से भी मुत में ना लें।
4– नहाने से पहले दूध से अपने शरीर की मालिश करें।

केतु आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष अपना चाल–चलन ठीक रखना चाहिए और मांस–मदिरा के सेवन से बचना चाहिए, अन्यथा आपकी संतान पर बुरा असर पड़ेगा। दूसरों के सामने अपना राज ना खोलें। यात्रा भी व्यर्थ साबित होगी।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपने कुत्ते को छत पर ना ले जायें।
2– जुआ, लॉटरी पर अपना धन व्यर्थ न करें।
3– चितकबरा कम्बल धर्म स्थान में दान करें।

गोचर शनि

द्वादशे जन्मगै राशौ द्वितीये च शनैश्चर। सर्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत।।

(गोचर में जब शनि ग्रह, जन्म चंद्र से बारहवें, पहले और दूसरे भाव में भ्रमण करता है, उस समय (लगभग साढ़े सात वर्ष तक) को शनि साढ़ेसाती के नाम से जाना जाता है।)

प्रथम चक्र

साढ़ेसाती चक्र	गोचर राशि में	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व—म—दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैय्या	सिहं	07/09/1977	04/11/1979	2.0 y.1.0 m.28 d.	ताम्र
प्रथम ढ़ैय्या	सिहं	15/03/1980	27/07/1980	0.0 y.4.0 m.12 d.	ताम्र
द्वितिय ढ़ैय्या	कन्या	04/11/1979	15/03/1980	0.0 y.4.0 m.10 d.	स्वर्ण
द्वितिय ढ़ैय्या	कन्या	27/07/1980	06/10/1982	2.0 y.2.0 m.10 d.	रजत
तृतिय ढ़ैय्या	तुला	06/10/1982	21/12/1984	2.0 y.2.0 m.15 d.	ताम्र
तृतिय ढ़ैय्या	तुला	01/06/1985	17/09/1985	0.0 y.3.0 m.17 d.	स्वर्ण
कंटक शनि	धनु	17/12/1987	21/03/1990	2.0 y.3.0 m.3 d.	ताम्र
कंटक शनि	धनु	20/06/1990	15/12/1990	0.0 y.5.0 m.26 d.	लौह
अष्टम शनि	मेष	17/04/1998	07/06/2000	2.0 y.1.0 m.21 d.	रजत

द्वितिय चक्र

साढ़ेसाती चक्र	गोचर राशि में	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व—म—दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैय्या	सिहं	01/11/2006	10/01/2007	0.0 y.2.0 m.10 d.	ताम्र
प्रथम ढ़ैय्या	सिहं	16/07/2007	10/09/2009	2.0 y.1.0 m.26 d.	रजत
द्वितिय ढ़ैय्या	कन्या	10/09/2009	15/11/2011	2.0 y.2.0 m.6 d.	स्वर्ण
द्वितिय ढ़ैय्या	कन्या	16/05/2012	04/08/2012	0.0 y.2.0 m.19 d.	ताम्र
तृतिय ढ़ैय्या	तुला	15/11/2011	16/05/2012	0.0 y.6.0 m.1 d.	रजत
तृतिय ढ़ैय्या	तुला	04/08/2012	02/11/2014	2.0 y.2.0 m.29 d.	रजत
कंटक शनि	धनु	26/01/2017	21/06/2017	0.0 y.4.0 m.24 d.	स्वर्ण
कंटक शनि	धनु	26/10/2017	24/01/2020	2.0 y.2.0 m.29 d.	स्वर्ण
अष्टम शनि	मेष	03/06/2027	20/10/2027	0.0 y.4.0 m.18 d.	स्वर्ण
अष्टम शनि	मेष	23/02/2028	08/08/2029	1.0 y.5.0 m.14 d.	लौह
अष्टम शनि	मेष	05/10/2029	17/04/2030	0.0 y.6.0 m.12 d.	रजत

तृतिय चक्र

साढ़ेसाती चक्र	गोचर राशि में	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व—म—दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैय्या	सिहं	27/08/2036	22/10/2038	2.0 y.1.0 m.25 d.	स्वर्ण
प्रथम ढ़ैय्या	सिहं	05/04/2039	13/07/2039	0.0 y.3.0 m.8 d.	स्वर्ण
द्वितिय ढ़ैय्या	कन्या	22/10/2038	05/04/2039	0.0 y.5.0 m.13 d.	ताम्र
द्वितिय ढ़ैय्या	कन्या	13/07/2039	28/01/2041	1.0 y.6.0 m.17 d.	ताम्र
द्वितिय ढ़ैय्या	कन्या	06/02/2041	26/09/2041	0.0 y.7.0 m.19 d.	स्वर्ण
तृतिय ढ़ैय्या	तुला	28/01/2041	06/02/2041	0.0 y.0.0 m.9 d.	लौह
तृतिय ढ़ैय्या	तुला	26/09/2041	11/12/2043	2.0 y.2.0 m.15 d.	रजत
तृतिय ढ़ैय्या	तुला	23/06/2044	30/08/2044	0.0 y.2.0 m.7 d.	स्वर्ण
कंटक शनि	धनु	08/12/2046	06/03/2049	2.0 y.2.0 m.27 d.	ताम्र
कंटक शनि	धनु	10/07/2049	04/12/2049	0.0 y.4.0 m.25 d.	ताम्र
अष्टम शनि	मेष	07/04/2057	27/05/2059	2.0 y.1.0 m.20 d.	स्वर्ण

लाल किताब उपाय से संबंधित सावधानियाँ और सामान्य नियम

1– एक दिन में केवल एक ही उपाय करें।

2– सभी उपाय सूर्योदय के बाद एवं सूर्यास्त से पहले करें। जो उपाय सूर्यास्त के बाद करने के लिए लिखा गया है, केवल उसे ही सूर्यास्त के बाद करें।

3– सबसे पहले छोटे उपाय, जो एक दिन के होते हैं, उन्हें करना चाहिए।

4– लंबे चलने वाले उपाय लागातार करें।

5– मासिक धर्म के दौरान महिलायें मंदिर जाने वाले उपाय न करें, इस दौरान अपने खून से संबंधित परिवार के किसी सदस्य से उपाय करवायें।

6– जिस उपाय को किसी खास दिन शुरू करने के लिए न कहा गया हो, उस उपाय को करने के लिए किसी दिन या तिथि जैसे अमावस्या, पूर्णिया आदि का विचार न करें। एक दिन वाले उपाय चौथ, नवमी एवं चतुर्दशी को कर सकते हैं, लेकिन लंबे चलने वाले उपाय इन तिथियों को शुरू न करें।

7– कुछ उपाय सप्ताह, मास या 43 दिन लगातार करने होते हैं, इन उपायों को बाद में शुरू करें। ध्यान रखें कि ऐसे उपाय बीच में न टूटें, अन्यथा शुभ फल प्राप्त नहीं होंगे। यदि लंबे उपाय करते समय किसी कारण से उपाय बीच में बंद करना पड़े तो उस दिन उपाय करने के बाद थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांधकर अपने पास रख लें और जब दुबारा उपाय शुरू करना हो तो वह चावल धर्म स्थान में दे दें या बहते पानी में प्रवाहित कर दें। उसके बाद उपाय शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल प्राप्त होगा।

8– यदि कोई उपाय जिंदगी भर के लिए करना है तो पहले उसे शुरू कर साथ––साथ एक––एक करके दूसरे उपाय करें।

9– जिस चीज/औजार से उपाय करें या जो भी सामान उपाय के लिए ले जायें, उसे वहीं छोड़ दें। लंबे चलने वाले उपाय में औजार आखिरी दिन छोड़ें।

10– जो चीज जल प्रवाह करें या धर्म स्थान में दें, उस दिन उस चीज का सेवन न करें।

11– उपाय के दिनों में शारीरिक संबंध स्थापित न करें।

Disclaimer

The calculations, future predictions, and remedies given in this Astrological Report are all based on the principles of either on Vedic Astrology, KP System, Jaimini or Lal Kitab, Numerology which are the result of consulting and engaging highly learned astrologers and astrology practitioners. This Report will prove to be highly useful for astrologers and practitioners of Astrology. We earnestly request the common users of this Report that they should not follow the Lal Kitab and or other prediction/remedies given in this Report without consulting a learned astrologer or an expert on this subject. Failing to do so might lead you to unexpected results which may or may not be favorable towards your well-being.

www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies makes no warranty about the accuracy of any data contained herein, and the native is advised to not to take as conclusive any prediction generated for him. If you follow the advice given in this report you do so at your own risk, ww.webjyotishi.com/ MindSutra Software Technologies or any of its associates are not responsible for the consequence of any event or action.

www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies shall not stand liable for any damages or harm done.

All disputes are subject to New Delhi Jurisdiction only.

Wishing the very best – prosperity and happiness.